जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 178 प्रभात अजमेर, गुरुवार 26 जनवरी, 2023 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

# 'सुषमा स्वराज के पास राजनैतिक शक्ति नहीं थी, मैं मोदी के विश्वस्त डोवल के साथ ही डील करता था'

## अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पेओ ने अपनी नई किताब में भारत के विदेश मंत्रियों के साथ अपनी डीलिंग्स पर लिखे चैप्टर में कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। जो चीज राजनैतिक हल्कों में सुविदित थी किन्तु आम लोगों की जानकारी में नहीं थी, उस बात की पुष्टि अमेरिका के पूर्व सेक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेश मंत्री) माइक पॉम्पेओ ने भी कर दी है। पॉम्पेओ ने कहा है कि उन्होंने भारत की विदेश मंत्री रहीं सुषमा स्वराज को एक "महत्वपूर्ण राजनैतिक हस्ती" कभी नहीं पाया तथा वे (पॉम्पेओ) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वस्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के साथ काम करने को प्राथमिकता देते थे।

- पॉम्पेओ ने यह टिप्पणी कर उस बात की पुष्टि कर दी है, जो जगजाहिर थी पर कभी स्वीकारी नहीं गई।
- पॉम्पेओ ने अपनी किताब में मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर की तारीफ की, उन्होंने किताब में जयशंकर को "जे" नाम से संबोधित किया और कहा कि इससे बेहतर समकक्ष नहीं मिल सकता था।

अपनी नवीनतम पुस्तक "नैवर गिव एन इंच: फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव" में अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री ने कहा है कि सुषमा स्वराज, मई 2014 से मई 2019 तक विदेश मंत्री रही थीं और मुझे लगा कि वे राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं थी हस्ती", किन्तु विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहली मीटिंग में ही बहुत प्रभाव छोड़ा।

मंगलवार को यह पुस्तक बुक-स्टोर्स पर पहुँच गई तथा इसकी खूब चर्चा रही। इस पुस्तक में पॉम्पेओ ने सुषमा को कुछ उपेक्षा की शिकार बताया है तथा उनके लिये तुच्छ अमेरिकन शब्दों "गूफ बॉल" तथा "हार्टलैंड पॉलिटिकल हैक" का प्रयोग किया है।

पॉम्पेओ का रहस्योद्घाटन इस कटु वास्तविकता को सामने लाता है कि मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्रियों के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि सुषमा स्वराज भाजपा की एक सीनियर नेता थीं, लेकिन फिर भी विदेशी राजनयिकों, खासतौर पर अमेरिका के, ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया क्योंकि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से वे राजनैतिक रूप से दमदार नहीं थीं। लेकिन सुषमा ने अपनी नाराजगी को कभी सार्वजनिक नहीं किया क्योंकि वे संघ और भाजपा के अनुशासन से बंधी हुई थीं। स्वराज का अगस्त 2019 में निधन हो गया था।

59 वर्षीय पॉम्पेओ अपनी किताब में लिखते हैं कि "भारत में, मेरा वास्तविक समकक्ष (भारतीय विदेश मंत्री) भारतीय विदेश नीति टीम का महत्वपूर्ण भाग नहीं था। इसके बजाए मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एवं प्रधानमंत्री मोदी के विश्वासपात्र अजित डोभाल के साथ अधिक निकटता से काम किया।"

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के विश्वासपात्र पॉम्पेओ उनके प्रशासन में वर्ष 2017 से 2018 तक सी.आई.ए. के डायरैक्टर रहे और फिर वर्ष 2018 से 2021 तक अमेरिका के विदेश मंत्री रहे।

अमेरिका का यह पूर्व शीर्ष राजनयिक, जो वर्ष 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपनी संभावना तलाश रहा है, लिखता है कि "मेरे दूसरे भारतीय समकक्ष सुब्रमण्यम जयशंकर थे। मई 2019 में हमने भारत के नए विदेश मंत्री के रूप में "जे" का स्वागत किया। मैं इससे अच्छे "काउंटर पार्ट" की चाह नहीं कर सकता था। मैं इस व्यक्ति को पसंद करता हूं। उनके द्वारा बोली जाने वाली सात भाषाओं में से एक अंग्रेजी है, और कुछ अर्थों में वह मुझसे बेहतर है।"

पॉम्पेओ ने अपनी किताब में जयशंकर का चित्रण इस प्रकार किया है कि "वे पेशेवर और तर्कपूर्ण हैं और अपने बॉस एवं देश के जबर्दस्त पक्षधर हैं।"

उन्होंने कहा कि वो समझ सकते हैं कि मुझे उनकी पूर्ववती के साथ काम करने में परेशानी क्यों हुई थी। मैंने मजाक में प्रत्युत्तर दिया। मैं भी ऐसा ही हूं वह हंसे कि यदि यह सच होता तो यह मुझे ऐसा पहला सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्षपाती राजनेता बना देता जो कभी हार्वड लॉ रिव्यू का संपादक रहा हो। पॉम्पेओ ने जयशंकर के लिए "जे" संबोधन करते हुए कहा- "वैल प्लेड।"

पॉम्पेओ के दावों पर टिप्पणी करते हुए जयशंकर ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश करते हुए न्यूज़ एजेंसी पी.टी.आई. को बताया कि "मैंने सुषमा स्वराज जी के जिक्र वाले मंत्री पॉम्पेओ की पुस्तक के अंश को पढ़ा है। मैंने हमेशा सुषमाजी का बहुत आदर किया है तथा मेरे उनके साथ निकट एवं मधुर संबंध थे। मैं उनके लिए अमेरिका की बोलचाल की भाषा में कहे गए अनुचित शब्दों की निंदा करता हूं।"

## 'कर्मचारी को कोविड वैक्सीन लगाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि नियोक्ता अपने कर्मचारियों को कोविड -19 का वैक्सीन लगवाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की एकलपीठ ने दिल्ली के एक सरकारी स्कूल शिक्षक की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। याचिका में मांग की गई थी उसे कोविड-वैक्सीन लगवाने के लिए बाध्य न किया जाए तथा पढ़ाने और अन्य कार्यों की जिम्मेवारी उठाने दी जाए। उन्होंने संबंधित

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस प्रतिभा सिंह ने एक सरकारी शिक्षक की याचिका पर यह फैसला दिया।

## 'सुप्रीम कोर्ट ने कोई "सैन्सिटिव" रहस्य उजागर नहीं किया'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। कांग्रेस नेता तथा वरिष्ठ एडवोकेट पी. चिदम्बरम ने कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि केन्द्र सर्वोच्च न्यायालय कोलीजियम द्वारा भेजे गये नामों को "मनमाने" आधार पर कैसे खारिज कर देता है। इस मामले में मुख्य बात यह है कि सौरभ किरपाल, जो खुले आम समलैंगिक एडवोकेट हैं तथा जिनके नाम की सिफारिश उच्च न्यायालय के जज के लिये की गई थी, पर केन्द्र सरकार ऐतराज कर रही है।

- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम पर कानून मंत्री रिजीजू ने संवेदनशील रहस्योद्घाटन का जो आरोप लगाया उस पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने टिप्पणी की।

कल केन्द्रीय विधि मंत्री किरेन रिजीजू ने इस बात पर गहरी चिन्ता व्यक्त की थी कि सर्वोच्च न्यायालय उन उम्मीदवारों के बारे में रॉ तथा बी द्वारा दी गई जानकारियों को उजागर कर रहा है, जिनके नामों की अनुशंसा पदोन्नति के लिये की गई है। विधि मंत्री की इस टिप्पणी के एक दिन बाद, अथौत आज कांग्रेस नेता पी. चिदम्बरम ने कहा कि ऐसी कोई संवेदनशील बात उजागर नहीं हुई है जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता से

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रदूत कार्यालय में दिनांक 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अतः दैनिक राष्ट्रदूत का अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा। -प्रबंध सम्पादक

# 'बदहाल पाकिस्तान की जनता की गुहार क्रांतिकारी सुधार किया जाए'

## पाकिस्तान के जाने-माने विश्लेषक और लेखक मोशर्रफ ज़ैदी ने एक रिपोर्ट में बदहाल पाकिस्तान की तुलना तेजी से आगे बढ़ रहे भारत से करते हुए कहा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। ताजा खबरें संकेत देती हैं कि पाकिस्तान आर्थिक और वित्तीय रूप से बहुत बुरी स्थिति में है। दुःख की और बात ये भी है कि देश की सेना द्वारा बेलगाम हस्तक्षेप करने और नीति निर्माताओं की अक्षमता के कारण वहां आंतरिक अशांति है। इसीलिए पाकिस्तान में आंतरिक सुधारों की मांग जोर-शोर से बढ़ रही है।

इसके विपरीत भारत आर्थिक रूप से तथा विश्व स्तर पर मजबूत हो गया है और प्रधानमंत्री मोदी को कईयों द्वारा विश्व का सर्वाधिक प्रभावशाली नेता बताया जा रहा है।

पाकिस्तान के न्यूज़ इन्टरनैशनल के लेखक एवं विश्लेषक मोशर्रफ़ ज़ैदी ने अपने एक लेख में स्पष्ट किया है कि आपस में उलझे परमाणु हथियार सम्पन्न दोनों पड़ोसी देशों की संक्षेप में क्या स्थिति है।

दो दशक पूर्व भारत की जी.डी.पी. 450 बिलियन डॉलर से अधिक थी और पाकिस्तान की 63 बिलियन डॉलर। कैनेडा की जी.डी.पी. 678 बिलियन डॉलर, यू.के. की 1,690 बिलियन डॉलर या 1.69 ट्रिलियन डॉलर थी तथा फ्रांस की जी.डी.पी. 1,490 बिलियन डॉलर या 1.49 ट्रिलियन डॉलर थी। तब भारत एक गरीब देश था, जिसमें बहुत से लोग गरीब थे।

आज यू.के. की जी.डी.पी. बढ़कर 3.13 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और फ्रांस की 2.96 ट्रिलियन डॉलर। कैनेडा की जी.डी.पी. बढ़कर करीब 2 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और भारत की 3.18 ट्रिलियन डॉलर। भारत में अब भी गरीब लोग हैं, लेकिन फिर भी यह एक अमीर देश है। वर्ष 1999 में वैश्विक मंच पर अपना स्थान बनाने को लेकर भारत अक्षम था, लेकिन अब स्थिति बिल्कुल बदल गई है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- उन्होंने कहा, दो दशक पहले भारत की जी.डी.पी. 450 बिलियन डॉलर थी, जो अब बढ़ कर 3.18 ट्रिलियन डॉलर हो गई है, भारत अब सम्पन्न देश है। पाकिस्तान की जी.डी.पी. 20 साल पहले 63 बिलियन डॉलर थी, जो अब 350 अरब डॉलर हो गई है और इस मामूली सी बढ़ोतरी पर भी पाकिस्तान का एक वर्ग जश्न मना रहा है, जबकि एक बड़ा वर्ग हताश और निराश है।

# क्या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या फर्जी है?

## गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियाँ और सरकारी तेल कम्पनियाँ इस विवाद को लेकर हाई कोर्ट पहुँची

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 25 जनवरी। प्रदेश में एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरक और एल.पी.जी. गैस उत्पादन करने वाली सरकारी तेल कम्पनियों के बीच का एक बड़ा विवाद राजस्थान हाईकोर्ट तक पहुंचा है। विवाद के अनुसार पिछले वर्ष 18 जुलाई को केन्द्रीय पैट्रोलियम एवं गैस मंत्रालय ने प्रदेश में कार्यरत एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरकों को पत्र लिखकर आदेश पारित किये कि वे 31 जुलाई तक प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों के पूरे परिवार के आधार कार्ड की जानकारी मुहैया करायें। गौरतलब है कि इस योजना के मूल संस्करण के अनुसार लाभार्थी को एल.पी.जी. कनेक्शन के लिए केवल उक्त महिला की आधार कार्ड की जानकारी मंत्रालय को मुहैया करानी थी।

यहां उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का वर्ष 2016 में उद्घाटन किया गया था, जिसके अन्तर्गत भारत में गरीबी रेखा के नीचे बसर कर रहे किसी भी परिवार की महिला को एल.पी.जी. गैस कनेक्शन दिया जाता है। इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने वाले परिवार के आंकड़े 2011 में करे गये आर्थिक सामाजिक एवं जातिगत जनगणना के आधार पर प्राप्त किये गए थे और फिर ये आंकड़े सभी सरकारी तेल कम्पनियों को दिये गये थे। इस योजना के मूल संस्करण के अनुसार गरीबी की रेखा के नीचे बसर कर रहे किसी भी परिवार की महिला को एल.पी.जी. कनेक्शन दिया जाना था और उसके लिए केवल उक्त महिला की आधार कार्ड की जानकारी मंत्रालय को मुहैया करानी थी।

गौर फरमाने योग्य है कि 28 मार्च 2018 को विभिन्न सरकारी तेल कम्पनियों द्वारा यह आदेश पारित किये गये थे कि एल.पी. जी. गैस वितरण कम्पनियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभान्वित महिला के अलावा परिवार के एक अन्य सदस्य के आधार कार्ड की जानकारी भी अपलोड करनी होगी, और साथ ही यह चेतावनी दी गई कि अगर एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों ने निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत यह जानकारी नहीं दी तो उनके द्वारा जारी किये गये सभी गैस कनेक्शन खारिज माने जायेंगे और उक्त वितरक कम्पनियों पर कड़ी कार्रवाई करी जायेगी।

इस मामले में पैट्रोलियम मंत्रालय व विभिन्न सरकारी तेल कम्पनियों का कहना है कि नियंत्रक और महालेखाकार परीक्षक (कैग) की एक ऑडिट रिपोर्ट में पाया गया कि कई अयोग्य लोगों को भी इस योजना के तहत लाभ पहुंचाया गया था और कई लोग जो 2011 की गनगणना के अनुसार अल्पवयस्क थे उन्हें भी गैस कनेक्शन दिये गये। इस तथ्य के कारण ही पैट्रोलियम मंत्रालय ने गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों से लाभाविन्त सभी परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की जानकारी मांगी है।

राजस्थान के एल.पी.जी. गैस वितरक कम्पनी के एक संघ ने पैट्रोलियम मंत्रालय की ओर से 18 जुलाई 2022 को जारी किए गये आदेश को चुनौती देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की और कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में लाभार्थियों की जानकारी 2011 की जनगणना पर आधारित थी, परन्तु 2011 से अभी तक करीब 11 वर्षों में कई परिवारों के सदस्य वयस्क हो चुके हैं और शादी के बाद एल.पी.जी. कनेक्शन प्राप्त करने के हकदार भी हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील सिद्धार्थ बाफना ने कहा कि कई लोग जो वयस्क हो चुके हैं और अपना अलग परिवार चला रहे हैं, उन्होंने इस योजना के तहत गैस कनेक्शन भी लगवा लिये हैं।

याचिका के अनुसार गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों के संघ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में तीन लाख गैस कनेक्शन जारी कर दिये हैं। याचिका कर्ताओं का कहना है कि अगर पैट्रोलिय मंत्रालय के 17 जुलाई 2022 के आदेश के तहत लाभार्थियों के पूरे परिवार के आधार कार्ड की जानकारी दी तो आंकड़ों का 'डुप्लीकेशन' होगा और ऐसा प्रतीत होगा कि एक ही परिवार के अंदर अलग-अलग लोगों के नाम पर गैस कनेक्शन जारी किये गये हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पैट्रोलियम मंत्रालय के आदेश का पालन किया जाये तो कई वास्तविक लाभार्थियों के गैस कनेक्शन रद्द करने पडेगें और गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियां भी अनुचित तरीके से दण्ड की भागीदार होंगी।

इस मामले में पैट्रोलियम मंत्रालय और सरकारी तेल कम्पनियों की तरफ से अधिवक्ता सुरूचि कासलीवाल पैरवी के लिए पेश हुई थी। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह ने सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता, गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों के संघ, को आदेश दिए हैं कि वे दो माह के अंदर सरकारी तेल कम्पनियों और पैट्रोलियम मंत्रालय द्वारा लाभान्वित परिवारों के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की जानकारी मुहैया करवाएं। अदालत ने पैट्रोलियम मंत्रालय और सरकारी तेल कम्पनियों को आदेश दिये हैं कि वे अभी याचिकाकर्ता गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों पर कोई कार्रवाई नहीं करें। अदालत ने इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख 20 मार्च तय की है और केन्द्र सरकार और सरकारी तेल कम्पनियों को अपना जबाव दायर करने को कहा है।

- यह मामला जटिल इसलिए हो गया, क्योंकि, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभ प्राप्त कर रहे परिवारों के आंकड़े 2011 की सामाजिक आर्थिक जनगणना पर आधारित हैं।
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 2011 के सर्वे के बाद अब तो इन परिवारों के बच्चे भी वयस्क हो गये हैं और उन्होंने भी इस योजना के तहत गैस सिलेण्डर प्राप्त किये हैं।
- इस मामले में जटिलता इस लिए भी आई, क्योंकि, केन्द्र सरकार ने लाभान्वित परिवारों को चिन्हित करने की प्रक्रिया में कई बार परिवर्तन किये और साथ ही यह भी निर्देश दिये कि, ज्यादा से ज्यादा गैस कनैक्शन लगाएं।

## विचार बिन्दु

**मूर्ख आदमी अपने बड़े से बड़े दोष अनदेखा करता है, किन्तु दूसरे के छोटे से छोटे दोष को देखता है। –संस्कृत सूक्ति**

# क्या हैं अखिल भारतीय सेवाओं से जनता को आशाएं–निराशाएं?

राज व्यवस्था राजशाही–सामंती हो, अधिनायकवादी हो, लोकतांत्रिक या कैसी भी हो राजकार्यों के सम्पादन, सतता के लिए स्थाई राज–सेवक तंत्र आवश्यक है। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश सरकार, उससे पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी और विभिन्न कालों में भिन्न–भिन्न राज्यों की राजव्यवस्था संचालन के लिए, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों के स्थायी तंत्र थे।

आजादी के बाद पूर्ववर्ती समकक्ष सेवाओं इंडियन सिविल व पुलिस सेवाओं (ICS, IP) को IAS, IPS नामकरण के साथ चालू रखा गया। इन सेवाओं को भारतीय संविधान की धारा 312(2) में भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा नामकरण के साथ शामिल किया गया। इन्हें भारत की संसद द्वारा सृजित माना गया।

1952 में संसद द्वारा पारित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम के अंतर्गत इन सेवाओं के सृजन के लिए केंद्र सरकार को अधिकृत किया हुआ है। कालांतर में अखिल भारतीय वन सेवा का ओर गठन किया है। वर्तमानं में यही तीन सेवाएं अखिल भारतीय सेवाएं हैं।

आम आदमी का मुख्यत: IAS, IPS अधिकारियों से ज्यादा काम पड़ता है।

जिन क्षेत्रों विभिन्न श्रेणियों के संरक्षित वन क्षेत्र है, अभ्यारण है वहां के लोगों का और पर्यावरण से जुड़े कार्यों से प्रभावित लोगों का अधिकारियों से वास्ता पड़ता है।

** भारत नें लोकतांत्रिक–जनहितकारी राजव्यवस्था अपनाई है। इसमें लोकसभा, विधानसभाओं के चुनावों के आधार पर बहुमत प्राप्त दल की या गठबंधन की सरकारों का गठन होता है। मंत्रिमंडल सरकार का सर्वोच्च निकाय है। बहुमत प्राप्त सरकार पर अपनी नीतियों के अनुरूप और जनता से किए वायदों की पूर्ति के लिए कानून–नियम–नीतियां बनाने, लागू करने–करवाने का, जनता से व अन्य स्त्रोतों से प्राप्त धन के सदुपयोग का दायित्व है। सरकारें लोकसभा या विधानसभाओं में अपने निर्णयों, कर्तव्यों प्रति उत्तरदायी होती है।

IAS, IPS आदि सेवाओं से अपेक्षा:––यह आशा की जाती है कि इन सेवाओं के अधिकारी संविधान, उसके अनुसार निर्मित विधानों, नियमों की पालना करते हुए, पूर्ण निष्ठा, समर्पण, समानता, सक्षमता, राग–द्वेष–धर्म–जाती–किसी धार्मिक–सामाजिक–सांस्कृतिक–राजनीतिक संगठन और स्वयं की व्यक्तिगत भावनाओं से रहित होकर, कार्य करते हुए सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन करेंगे। इन सब बातों का ध्यान रखते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों का मार्गदर्शन कर, क्रियान्वयन करवाएंगे।

IAS, IPS अधिकारियों से जनता अपेक्षा करती है कि वे अपने दायित्वों, कार्यों के निष्पादन करते हुए जनता व उनके प्रतिनिधियों के साथ पूर्ण आदर सम्मान से उनके अभाव–अभियोगों–सुझाओं को सुनेंगे और यथासम्भव समाधान करेंगे।

मुख्यत: कलेक्टर, एसपी के कार्य कलापों से इन सेवाओं की छवि के बारे में आम आदमी अपने विचार बनाता है। आम आदमी जिला स्तर पर इन अधिकारियों में राज्य सरकार को देखता है।

एक बहुत ही संजीदा विधायक नें एक कलेक्टर से कहा कि सत्ता पक्ष के लोगों की सुनने के लिए तो सम्बंधित पार्टी के MLA व दूसरे जन प्रतिनिधि, पार्टी के कार्यकर्ता होते है। उनकी आवाज तो जिला व उपर तक पहुंच जाती है किन्तु जो विपक्ष के या गैर राजनीतिक लोग होते है वे आशा करते हैं कि कलेक्टर एसपी उनकी बात सहानुभूतिपूर्ण रुख के साथ सुनेंगे और समस्याओं का समाधान करने या करवाएंगे।

एक दूसरे संजीदा विधायक नें एक नवयुवक एञ्ध को कहा कि विधायक होने के नाते उनके पास लोग अपनी समस्याएं, अभियोग लेकर आएंगे और उनको अधिकारियों के पास पहुंचना, समाधान करवाना उनका कर्तव्य है। इसलिए उनकी अपेक्षा है कि उनकी बातों को विस्तार से, ध्यानपूर्वक सुना जाए––नियमों के अनुसार निर्णय करने के लिए अधिकारी स्वतंत्र है––उसमें उनका कोई आग्रह–दुराग्रह नहीं होगा।

**राज व्यवस्था राजशाही-सामंती हो, अधिनायकवादी हो, लोकतांत्रिक या कैसी भी हो राजकार्यों के सम्पादन, सतता के लिए स्थाई राज-सेवक तंत्र आवश्यक है। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश सरकार, उससे पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी और विभिन्न कालों में भिन्न-भिन्न राज्यों की राजव्यवस्था संचालन के लिए, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों के स्थायी तंत्र थे।**

इस प्रकार के संजीदा जनप्रतिनिधि कम होते जा रहे है।

पार्टियां कार्य कर्ताओं का केवल भीड़ इक्कठी करवाने और नारे लगवाने में उपयोग करती है। उनका राज व्यवस्था व जन समस्याओं के उचित निवारण के तरीकों का प्रशिक्षण दिया ही नहीं जाता।

आईएएस अधिकारी जब नीति निर्माण करने के स्तर पर मंत्रियों के साथ कार्य करते है तब उनका परम् दायित्व है कि तथ्यों, कानून–नियमों के अनुसार उन्हें सर्वोत्तम राय दें। राय देने के उपरांत जो निर्णय मंत्री अथवा मंत्री मंडल का हो उसकी पूर्ण रूपेण पालन करें।

आईपीएस का दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण, अनुसन्धान व अभियोजन है। इस दृष्टि से का कार्य क्षेत्र सीमित है किन्तु इस सेवा के अधिकारियों की निष्ठा, कार्य प्रणाली, दक्षता, व्यवहार का सरकारों की छवि बनाने या बिगड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जनता का आईएएस, आईपीएस के सम्बंध में यह परसेप्शन है कि इन अधिकारियों के सेवा शर्तें अन्य प्रादेशिक अधिकारियों–कर्मचारियों की तुलना में काफी ज्यादा है। इनके पास बहुत अधिकार होते है। वस्तुत: सरकार यही लोग चलाते है आदि, आदि।

** हाँ, इन अधिकारियों को किन किन पदों पर लगाया जाएगा, यह केंद्र व राज्य सरकार के स्तर पर तय होता है। प्रादेशिक सेवाओं की तुलना में वेतन,बहुत ज्यादा तो नहीं किन्तु कुछ अधिक होता है। पदोन्नतियां भी कमोबेश निश्चित समय सीमा में हो जाती है।

सबसे बड़ी बात यह है सरकारें इनके स्थानांतरण में पूर्णत: निरंकुशता नही अपना सकती। इन्हें आप पदस्थापन प्रतीक्षा में तो रख सकते है किंतु किसी की सनकों की पूर्ति के लिए हर किसी स्थान–पद पर नहीं लगाया जा सकता। पदस्थापन के स्थान भी अधिकांशत: जिला मुख्यालयों से नीचे नहीं है। अधिकारियों के भी पदस्थापना जिला मुख्यालय या चिन्हित अभ्यारणों आदि स्थानों पर ही लगा सकते है। राज्य सरकार निलंबित तो कर सकती है किंतु उसमें भी निरंकुशता पर नियंत्रण है।

***आज कल यह सुनना, पढना आम है कि मंत्री, विधायक, सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता आरोप लगाते है कि अधिकारी उनकी नहीं सुनते। अधिकांस अधिकारी ऐसे नहीं होते किन्तु अपवाद भी सामने आते रहते है।

चाहे पोलिटीसियन्स का अपनी गैरवाजिब बात मनवाने के दुराग्रह जो या अधिकारियों का अनुचित, रोड़ा लगाने–काम को डिले करने का दुराग्रह–पूर्वाग्रह हो दोनों ही अनुचित व निंदनीय हैं।

***राज नेताओं से अपेक्षा:–अच्छे राजनेता, ब्यूरोक्रेट्स के डोमेंन नॉलेज व उनकी राय का, जन हित में सर्वोत्तम सदुपयोग करें। दाब, धौंस, बेहिसाब व नियम कायदों के ट्रांसफर्स, ओबलिगेसन्स, तंत्र के माध्यम से विरोधियों के हैरेसमेंट की राजनीति अल्पायु होती है। ऐसे अनेक उदाहरण गिनाए जा सकते हैं जहां ऐसे नेताओं का सूर्यास्त होते ज्यादा समय नहीं लगता। उनको यह समझना होगा कि अधिकारियों की काम करने की शक्तियां मर्यादित है। मंत्री लोग नियम कायदों में बदलाव के लिए सक्षम है, उन्हें कार्यकर्ताओं के काम करने के लिए इस राजमार्ग का उपयोग करना चाहिए। अधिकारियों से क्यों उलझन?

***कुछ बातें जो आम लोगों में चर्चा का विषय बनती है और इन सेवाओं के अधिकारियों की छवि खराब करती है:---

*जनता में यह चर्चा का विषय बनता है कि कई IAS, IPS – अधिकारी ट्रांसफर–पोस्टिंग लिए, पोलिटीसियन्स के माध्यम से लॉबीइंग करवाते है। ऐसा करने वाले अधिकारी निष्पक्ष नहीं जो सकते।

*यह भी जन विमर्श में सुनने को मिल जाता है कि कई अधिकारी, मामलों में बिना तथ्य की गहन परीक्षण व बिना अपना सुविचारित दृष्टिकोण बताए, मंत्रियों के कहने अनुसार टिप्पणियां लिख देते है।

*नीचे के स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों का ज्यादा काम पड़ता है और नाइत्तफाकी भी होती है। कुछ कार्यकर्ता इन कार्मिकों को अपने बड़े नेताओं के जरिये परेशान करवाते है, अनुचित ट्रांसफर करवाते है। उनके वाजिब संरक्षण का दायित्व उच्चाधिकारियों का है किंतु कई बार इस दायित्व के निर्वहन के लिए प्रयास ही नही किए जाते। माना कि अंतिम निर्णय मंत्री का ही होगा किन्तु तथ्यात्मक विमत तो टिप्पणियों में हो।

*किन्ही मामलों में यह भी सुनने को मिल जाता है कि उच्चाधिकारी नें मौखिक आदेश देकर काम कर लिया किन्तु आवश्यकता पड़ने पर आदेश कन्फर्म नहीं करते हैं।

*बहुत से नियमों में व्याख्या करने की डिस्क्रिशनरी पावर अधिकारियों के पास होती है। इस अधिकार का जन हित में या किसी व्यक्ति के हित में उपयोग करने में कोताही नही बरतनी चाहिए बशर्ते कि इसमें किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को हानि न पहुंचे, उनके किसी अधिकार का हनन न होता हो। लेकिन बहुत से अधिकारी ऐसे मामलों को टालने ऊपर खिसकाने की बिमारी ग्रस्त होते है या कुछ अधिकारी कभी कभी स्वहित में दुरुपयोग करने से नही चूकते।

*पहले नहीं था किंतु कुछ समय से अखिल भारतीय सेवाओं के कुछ अधिकारियों पर पार्टी विशेष या कुछ सामाजिक–सांस्कृतिक–जातीय संगठनों की विचारधाराओं को ध्यान में रख कर कार्य करने की खुसर–फुसर भी सुनने को मिल ही जाती है।

*सबसे बड़ी बात जिसकी आम आदमी में चर्चा रहती है वह यह है कि बहुत से जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर भ्रष्टाचार करते है। दोनों में से अकेले के लिए यह करना सम्भव तो है किंतु अत्यंत कठिन व कंटक भरा।

**–अतिथि सम्पादक,**
**महावीर सिंह,**
**आई.ए.एस. ( से.नि. )**

# आबादी : हम, वे और जो तथ्य हैं

डॉ रामावतार शर्मा

जब भी भूमि के किसी भाग पर आबादी वहां के संसाधनों से ज्यादा हो जाती है तो उस स्थान पर संघर्ष प्रारंभ हो जाता है। जब संघर्ष प्रारंभ होता है तो लोग जाति, धर्म, कबीले आदि में बंट जाते हैं ताकि सामूहिक शक्ति का निर्माण हो और संघर्ष में विजय हासिल हो। तकरीबन यही बात प्रजातंत्र में सत्ता हासिल करने के लिए अपनाए गए हथकंडों में से भी एक होती है। ऐसा होना एक बड़ी नकारात्मक बात है पर होता यही है। इन परिस्थितियों में आबादी में बड़े स्तर का ध्रुवीकरण होने लगता है और छोटी–सी बात से ही हिंसा की चिंगारी हर तरफ आग की तरह फैल सकती है। आज कल हम सोशल मीडिया द्वारा सच और झूठ दोनों का जोरदार प्रचार देख रहे हैं। अब यदि कोई यह सोचता है कि यह दुष्प्रचार यूं ही चलता रहेगा तथा सत्ता पर कुछ लोगों का अधिकार बना रहेगा तो यह शायद एक बड़ी भूल सिद्ध हो। मानवीय अस्तित्व के इतिहास में आज तक कोई भी ऐसी क्रिया नहीं हुई है जिसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रतिक्रिया नहीं हुई हो।

जब आबादी तेजी से बढ़ती है तो सामाजिक भाईचारा भी तेजी से समाप्त होने लगता है। आबादी बढ़ने से विकास दर भी बढ़ती है तो कुछ लोग शीघ्रता से संपन्न होने लगते हैं जिसके फलस्वरूप इन समूहों के कुछ लोगों में राजनीतिक महत्वाकांक्षा का जन्म होने लगता है।

राजनीतिक वर्चस्व के लिए लोगों का ध्रुवीकरण किया जाता है ताकि मत पेटी में एक ही दल को ज्यादातर मत मिलें। माहौल ऐसा बनाया जाता है कि मानो दूसरे लोग तुम्हारा सब कुछ छीनने को आतुर हैं, तुम्हारा धर्म, समाज और जाति खतरे में है, तुम्हारी संतान का भविष्य अंधकार में है। यदि इस विपत्ति से बचना है तो बस सिर्फ हमें ही चुनाव में सफल बनाओ और फिर बस चैन की बंसी बजाओ। पर ऐसा होता नहीं है चाहे जिसको सत्ता में बिठा दो। भला उन्ही का होता है जो सत्ताधारी लोगों को परोक्ष रूप से सत्ता में लाते हैं। आम जनता का तो पहले धर्म के आधार पर विभाजन होता है और फिर जाति और यहां तक कि गोत्र के नाम पर भी होने लगता है। समय के साथ तरह तरह की दरारें समाज के विभिन्न लोगों के मध्य अपना अस्तित्व जाहिर करने लगती हैं।

डॉक्टर हैंस रोसलिंग एक चिकित्सक और लेखक थे। उन्होने सत्य को उजागर करने के लिए शोध पर आधारित एक पुस्तक लिखी है फैक्टफुलनेस यानि तथ्यात्मकता। दूसरे उन्होंने देशों की सीमाओं को तोड़ पीड़ितों की सेवा के लिएं मेडिसिन सांस फ्रंटियर यानि सीमा मुक्त चिकित्सा सेवा नामक एक अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थापित किया है। सत्य के पोषक मानवतावादी डॉक्टर रोसलिंग के अनुसार विश्व दो भागों में बंटा हुआ है वी यानि हम और देम यानि वे। हम से मतलब विकसित देश जहां लोग शिक्षित हैं, संपन्न हैं क्योंकि आबादी नियंत्रित है। वे मतलब तीसरी दुनिया के लोग, अशिक्षित, गरीब और बच्चों की प्लाटून के माता–पिता।

सन् 2002 के बाद तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत का एक वर्ग हम वाली स्थिति में तो पहुंच गया पर अब यहां राजनीति की प्रतिस्पर्धा के कारण एक बड़ी दरार पैदा हो गई है – हमारा और उनका। अब धर्म ठांथों नहीं धार्मिक चिह्नों को ही महत्व दिया जाने लगा है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि आदि सभी अपनी अपनी सेनाएं बनाने लगे हैं। विप्र सेना, परशुराम सेना, करणी सेना, जैश मोहम्मद, जांगिड़ सेना, इंडियन मुजाहिद्दीन, भीम सेना, सम्राट अशोक सेना, वीर तेजा जी सेना आदि असंख्य सेनाएं। चंद स्वार्थी और सत्ता लोलुप लोग देश की जनता को धर्म और जातियों में विभाजित करने में सफल होते जा रहे हैं और सत्ता में बैठे लोग स्वयं सरकार के द्वारा जारी आंकड़ों को गुमनामी में धकेल रहे हैं।

भारत के धर्म आधारित कुछ आंकड़े जो भारत सरकार द्वारा ही जारी किए गए हैं कई लोगों की आंखों को खोल सकते हैं यदि वे सचेत होकर इनका अध्ययन करें। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे की पहली रिपोर्ट (1990–92) के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर 3.39 बच्चे प्रति महिला थी जो 2019–21 में जारी पांचवी सर्वे में घट कर 1.99 रह गई है। कुछ लोग जो किसी गुप्त षडयंत्र द्वारा सत्ता हड़पने की बाते करते हैं उनके लिए इसी रिपोर्ट के अनुसार मुस्लिम कुल प्रजनन दर 1990–92 में 4.41 बच्चे प्रति महिला थी 2019–21 में यह दर 2.62 रह गई है। इस तरह से हम देख रहे हैं कि शहरीकरण, शिक्षा और जागरूकता के साथ जब आर्थिक दबाव आ जाता है तो लोग बच्चे कम पैदा करने लगते हैं। इसके साथ बाल स्वास्थ्य सुधरने से भी लोग बच्चों की अधिकता से दूर होने लगते हैं। डॉक्टर रोसलिंग सदा कहते थे कि हमें दुष्प्रचार से बच कर तथ्यों पर आधारित बातों को खोजने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि वास्तविकता की जानकारी बेहतर जीवन योजनाएं बनाने में सहायक होती है।

अब एक विचार पर मनन करने का शायद समय आ गया है कि इन तथाकथित धार्मिक, जातीय सेनाओं से देश को क्या नुकसान हो सकता है? चूंकि हम तीव्र सूचना विस्तारण के दौर से गुजर रहें हैं और युवाओं का एक वर्ग अपने आप को भविष्य का मुख्यमंत्री, मंत्री या विधायक माने घूम रहा है तथा उसी तरह की जीवनशैली येन केन प्रकारण बनाए हुए है। ये लोग ही इन तथाकथिक सेनाओं के सरदार बने हुए हैं। यदि किसी दिन इन लोगों को अपने सपने टूटते नजर आए तो ये हिंसक होते देर नहीं लगाएंगे। आर्थिक रूप से पीड़ित कितने ही लोग हिंसा के तांडव में सम्मिलित हो सकते हैं।

बड़े नेता निज स्वार्थ के लिए धर्म का सहारा लेते हैं तो दोयम दर्जे के नेता जातिगत विष वमन करेंगे।

स्वार्थों की इन लड़ाइयों में पहली बली सबसे कमजोर लोगों की और दूसरे स्थान पर प्रतिभावान युवाओं की लगेगी। हो सकता है आज हम इसे मनगढ़ंत वहम कहें पर इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है।

हम और वे यह भेद सदा बना रहा है और आगे भी बना रहेगा। धरती पर सब कुछ एक बराबर कुछ नहीं होता है पर एक सभ्य समाज से उम्मीद की जाती है कि वह लोगों के बीच की खाई को कम बनाए रखे ताकि विशिष्ट परिस्थितियों में लोग खाई में लुप्त न हो जाएं। उन्हें खाई के पार जाने की संभावनाओं के साथ जीवन जीने की सुविधा मिलनी चाहिए।

**–डॉ रामावतार शर्मा,**
**( चिकित्सक एवं लेखक )**

**दिव्यांग असीम अग्रवाल की गणतंत्र पर भारत देश के लिए भावभीनी काव्यांजलि**

# भारत आज़ादी से अब तक

**15 अगस्त सन 47 को भारत था आजाद हुआ।**
**तब से ही एक नए युग का आगाज हुआ।**
**सदियों जुल्मों से जूझ रही धरती को यह वरदान मिला।**
**वर्ष 2 माह 11 दिन 18 में बन कर के हमें संविधान मिला।**
**तब से ही खत्म तानाशाही का अत्याचार हुआ।**
**26 नवंबर सन् 49 को संविधान तैयार हुआ।**
**गणतंत्र ने स्वतंत्रता को सही अर्थ दिया।**
**क्या है कर्तव्य और अधिकार यह तय किया।**
**इसके आने से राजतंत्र समाप्त हुआ।**
**इससे ही तो लोकतंत्र है व्याप्त हुआ।**
**संविधान से ही अधिकारों का है ज्ञान हुआ।**
**दलितों-पतितो हर वर्ग का है सम्मान हुआ।**
**अंग्रेजों के शोषण से देश को मुक्ति मिली।**
**भारत वर्ष को आत्मा विकास की युक्ति मिली।**
**जन-जन के मन में आजादी की उमंग उठी।**
**नव थल और जल में भारत की ही तरंग उठी।**
**जन गण मन हर मन में है गूंज रहा।**

दिव्यांग असीम अग्रवाल

**मन मुक्त गगन में उड़ने का पथ ढूंढ रहा।**
**जब से आया गणतंत्र देश में शांति हुई।**
**तब ही जाकर श्वेत और हरित यहां पर क्रांति हुई।**
**फिर विश्व पटल पर भारत का निर्यात बड़ा।**
**और धीरे-धीरे देशों से आयात घटा।**
**अर्थव्यवस्था में अपनी उदारीकरण का दौर आया।**
**उद्योगों में भी तब जाकर के जोर आया।**
**खेलों से भी बनता भविष्य यह विश्वास हुआ।**
**इस दौर में अब विज्ञान का भी है विकास हुआ।**
**स्वामी जी का स्वप्न सुनहरा सत्य हुआ।**
**भारत विश्व गुरु सिद्ध यह तथ्य हुआ।**
**हो युद्ध यहां हथियारों से या बीमारी से।**
**है देश खड़ा अब तो पूरी तैयारी से।**
**अब कौशल से हमें ढूंढना अवसर होगा।**
**भारत तब ही विकास पथ पर अग्रसर होगा।**

**–दिव्यांग असीम अग्रवाल,**
**पुत्र विजय कुमार अग्रवाल,**
**मदनगंज-किशनगढ़**

# 75 वर्ष के खिलाड़ी अरुण सिंह ने कांस्य पदक जीता

- **मस्कट(ओमान) में कांस्य पदक जीत कर बढ़ाया जोधपुर और देश का गौरव**
- **पदक जीतकर लौटने पर अरुण सिंह बारहठ का सम्मान एवं अभिनंदन किया**

**जोधपुर,** (कासं)। शाला कीडा संगम केन्द्र गौशाला मैदान जोधपुर के 75 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी अरुण सिंह बारहठ ने मसकट ओमान आयोजित विश्वस्तरीय वर्ल्ड वेटरन टेबल टेनिस चैंपियनशिप–2023 भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक प्राप्त कर शाला संगम केन्द्र, जोधपुर, राजस्थान और भारत का नाम गौरवान्वित किया है।

विश्वस्तरीय स्पर्धा में धाक जमाकर लौटने पर अरुण सिंह बारहठ का शाला क्रीड़ा संगम केन्द्र परिवार द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर उनका भावपूर्ण सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता, विजय विश्नोई, पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता, मधुलिका एसीईएम फास्ट ट्रैक, एवं टेबल टेनिस एसोसिएशन के पदाधिकारी मुकुल गुप्ता, संजय गहलोत, कपिल मिर्धा, ज्योतिषाचार्य सुरेश श्रीमाली, जिला शिक्षा अधिकारी इसाफ खां जई, रफीक खां, सुमित्रा पंवार एवं शाला क्रीड़ा संगम केन्द्र प्रशिक्षक रीटा नरूका, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, रानू सिंह चौहान, दिनेश भारती, राकेश सिंह देवडा, पुखराज चौधरी आदि समस्त स्टाफ द्वारा बारहठ एवं सुश्री सुनिधि दीवान का सम्मान किया गया। इन खिलाडियों को साफा, मोमेंटो एवं उच्च कोटि के रैकेट प्रदान कर सम्मान किया गया।

# ठण्ड का असर बढ़ा, माउंट आबू में तापमान माइनस तीन डिग्री रहा

- **पारे में गिरावट के बाद मैदानी इलाकों सहित कई जगह बर्फ की परत जमी**
- **सर्दी के प्रकोप के बीच अलाव जलाकर लोग सर्दी से बचने का जतन कर रहे हैं**
- **माउंट आबू में बीते दस दिनों से पारे में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है**

**माउंट आबू,** (निसं)। सिरोही जिले में दो दिन की राहत के बाद फिर से ठण्ड का असर बढ़ गया है। प्रदेश के एक मात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान पिछले दो दिनों से 1 डिग्री दर्ज किया गया जा रहा था। जिसमें बुधवार को 4 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। पारे में गिरावट के बाद बुधवार का न्यूनतम तापमान माईनस 3 डिग्री दर्ज किया गया। पारे में गिरावट के बाद मैदानी इलाकों सहित कई जगह बर्फ की परत जमीं पाई गई। वही अलसूबह माउंट आबू में धुंध भी छाई रही।

माउंट आबू में पारे में गिरावट के चलते लोगों की दिनचर्या में इसका खासा असर देखने को मिल रहा है। लोग देर तक घरों में दुबके रहते है। वही स्कूली बच्चों और नौकरी और मजदूरी पर जाने वाले स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

माउंट आबू में बीते दस दिनों से पारे में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बीते दस दिनों में 8 दिन न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे रहा। वही दो दिनों से एक डिग्री थी जो बुधवार को 4 डिग्री गिरकर माईनस 3 डिग्री दर्ज किया गया। पारे में गिरावट के बाद माउंट आबू के मैदानी इलाकों, पहाडी इलाके में बहने वाले नालों, घरों व होटलों के बाहर खड़ी कारों की छत, बाहर रखे पानी व पेड़ पौधों पर बर्फ की हल्की परत जमीं पाई गई। वहीं सर्दी के प्रकोप के बीच अलाव जलाकर लोग सर्दी से बचने का जतन कर रहे है। वही घरों में रहने दुबके लोग रूम हीटर का प्रयोग कर रहे है। माउंट आबू में इस वर्ष लम्बे समय से सर्दी का प्रकोप देखा जा रहा है। माउंट आबू में एक तरफ जहां पारे में गिरावट दर्ज की जा रही है तो अलसुबह पहाड़ों और पोलो ग्राउंड सहित अन्य जगह धुंध छाई रही। धुंध से ठंडी हवाओं भी चलती रही। जिसके चलते बाहर लोगों की कंपकंपी छूट गई।

## राशिफल गुरूवार 26 जनवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र सांय 6:57 तक, शिव योग दिन 3:29 तक, बालव करण दिन 10:29 तक, चन्द्रमा मीन राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य–मकर, चन्द्रमा–मीन, मंगल–वृष, बुध–धनु, गुरू–मीन, शुक्र–कुम्भ, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सांय 6:57 से आरम्भ होगा। आज बसन्त पंचमी (उत्तर प्रदेश, पूर्वा मध्यप्रदेश, बिहार, असम आदि राज्यों में)। आज तक्षक पूजा, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन, रति काम महोत्सव, बागीश्वरी जयन्ती यात्रा दर्शन पूजा है। आज पंचक है।

**सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया:** शुभ सूर्योदय से 8:39 तक, चर 11:19 से 12:39 तक, लाभ–अमृत 12:39 से 3:19 तक, शुभ 4:39 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

**मेष**
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

**सिंह**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

**धनु**
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

**वृष**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**कन्या**
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**मकर**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**मिथुन**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

**तुला**
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कुंभ**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

**कर्क**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मीन**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

PMCH HEALTH ADVISORS

# पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

(NABH प्रमाणित)

## सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई

## बेहतरीन उपचार एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ आपके लिए हैं तैयार हम

### मल्टीस्पेशिलिटी सुविधा

- जनरल मेडिसिन विभाग
- अस्थिरोग विभाग
- बाल एवं शिशु रोग
- नेत्र विभाग
- नाक-कान-गला विभाग
- प्रसुति एवं स्त्रीरोग विभाग
- चर्मरोग विभाग
- जनरल एवं लेप्रोस्कापिक सर्जरी विभाग
- वक्ष एवं क्षय रोग विभाग
- मनो चिकित्सा विभाग

### सुपरस्पेशिलिटी सुविधा

- मस्तिष्क रोग विभाग
- हदयरोग विभाग
- मूत्ररोग विभाग
- गुर्दा रोग विभाग
- कैंसर विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग
- मधुमेह, थाइराइड एवं हार्मोन्स रोग विभाग
- बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग
- निःसंतानता रोग विभाग (आई.वी.एफ)

**ई.ई.जी. | ई.एम.जी. | कलर डोप्लर | सीटी स्केन | एम.आर.आई. | डायलिसिस**

**सभी तरह की खून एव मूत्र की जांचे एवं ईको कार्डियोग्राफी की सुविधा | फिजियोथेरेपी की सुविधा**

RGHS | चिरंजीवी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना MMCSBY | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC

**योजनाओं के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल**

- 24 घण्टे ऐम्बुलेंस सेवा किफायती दरों पर
- डे-केयर कीमो थैरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
- हाईटेक ऑपरेशन थियेटर
- सुसज्जित आई.सी.यू.
- उच्च प्रशिक्षित स्टॉफ

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

## पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, सुखेर-पिण्डवाड़ा हाईवे, उदयपुर, राजस्थान - 313001

फोन: 0294-3520000, 9828144314

# धरने पर बैठे व्यापार संघ व बिदाणी परिवार को पुलिस ने अल-सुबह खदेड़ा

## कोटपूतली में मास्टर प्लान के तहत सड़क विस्तारीकरण का मामला

**कोटपूतली,** (निसं)। नगर परिषद् द्वारा कोटपूतली के मास्टर प्लान 2011-31 को लागू करने और सड़क विस्तारीकरण को लेकर पुरानी नगरपालिका से आजाद चौक तक की जा रही संरचनायें तोड़ने की कार्यवाही को लेकर आज तीसरे दिन भी परिषद् प्रशासन द्वारा मलबा उठाने व विद्युत पोल लगाने की कार्यवाही जारी रही। किन्तु सोमवार को आजाद चौक में की गई कार्रवाई के बाद से पूरे शहर में तनाव का माहौल बना हुआ है। जहां प्रशासन ने कोटपूतली अग्रसेन चौराहे से लेकर आजाद चौक तक के पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया है, वहीं व्यापारी प्रशासन की कार्रवाई को दमनात्मक व तानाशाही बता रहे हैं।

जहां एक ओर आजाद चौक में कार्रवाई के बाद से व्यापारी नगर परिषद पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगा रहे थे वहीं मंगलवार शाम तक पीड़ित व्यापारी परिवार अपने तोड़े गए प्रतिष्ठान की जगह पर ही टेंट लगाकर धरने पर बैठ गया था। लेकिन देर शाम नगर परिषद दस्ता तोड़े गए प्रतिष्ठान की जगह पर विद्युत पोल लगाने पहुंचा तो व्यापारी व नगर परिषद प्रशासन के बीच तनातनी का माहौल हो गया और सुबह 4 बजे प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ धरने पर बैठे पीड़ित व्यापारी परिवार को जबरन उठा दिया और परिवार के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि इस पूरी कार्रवाई के बाद व्यापारी व लोगों में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है। इसी बीच आक्रोशित व्यापारियों ने सैकड़ों की संख्या में इकट्ठे होकर कोटपूतली एडीएम रविंद्र शर्मा को नगर परिषद की कार्यवाही के विरोध में सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की है। व्यापार मंडल के बैनर तले सौंपे गए ज्ञापन में पीड़ित व्यापारियों को पुनर्वास व मुआवजे की मांग की है। वहीं देर शाम तक मौके पर पुलिस प्रशासन के करीब 400 जवान व कोटपूतली एडीएम, एसडीएम तहसीलदार व डिवाईएसपी सहित प्रशासन का भारी जाप्ता मौके पर मौजूद रहा। इस दौरान व्यापारीयों ने प्रशासन व क्षेत्रीय विधायक व गृह राज्य मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरने पर बैठे व्यापारी परिवार को जबरन धरने से उठाकर थाने ले जाती पुलिस।

- विरोध कर रहे बिदाणी परिवार के चार लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया
- प्रशासन की दमनात्मक कार्यवाही को लेकर लोगों में आक्रोश बरकरार
- नगर परिषद् आयुक्त ने पब्लिक नोटिस निकाल कर लिखा फिलहाल इसके अतिरिक्त किसी अन्य स्थान व मार्ग पर परिषद् नहीं करेगा कार्यवाही
- व्यापार मण्डल के बैनर तले प्रभावितों ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर पुनर्वास व मुआवजे की मांग की

प्रशासन द्वारा इन दिनों सड़क विस्तारीकरण को लेकर कि जा रही कार्यवाही को लेकर चहुंओर चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोग शहर के हर गली मौहल्ले में कार्यवाही को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। इस दौरान जहां सोशल मीडिया पर कस्बे के 17 रोड़ों को चौड़ा किये जाने की लिस्ट वायरल हो रही है। वायरल लिस्ट के मुताबिक डाबला रोड 100 फीट, बानसूर रोड 100 फीट, नगर परिषद् पार्क रोड 80 फीट, गोपालपुरा रोड 60, लक्ष्मीनगर रोड 60 फीट, टेलीफोन एक्सचेन्ज रोड 60 फीट, श्याम मन्दिर रोड 60 फीट, सुन्दपुरा रोड 60 फीट, संजीवनी अस्पताल रोड 60 फीट, सरदार स्कूल रोड 60 फीट, राठौड़ पार्क रोड 60 फीट, पुतली कट से बानसूर रोड 60 फीट, गौशाला रोड 60 फीट, तहसील से नागाजी की गौर 60 फीट, आजाद चौक रोड 40 फीट, पुरानी सब्जी मण्डी रोड 40 फीट व दिल्ली दरवाजा से तहसील तक 40 फीट तथा इन सभी मार्गों से लगने वाली छोटी सड़कें भी 20 एवं 30 फिट चौड़ी किये जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि इस लिस्ट के वायरल पर अभी तक किसी भी अधिकारी ने अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। यह जरूर है कि एक बार जब यह लिस्ट वायरल हुई तब परिषद् आयुक्त ने उक्त लिस्ट को झूठा वायरल बता कर वायरल करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्यवाही का भरोसा दिलाया था किन्तू अभी तक इस वायरल का सच क्या है यह सामने नहीं आया है।

लेकिन अभी तक उक्त लिस्ट के मुताबिक माने तो नगर परिषद् प्रशासन ने परिषद् पार्क रोड़ को 80 फीट किये जाने हेतू संरचनाओं को ध्वस्थ कर दिया है। वहीं सरदार स्कूल रोड़ को 60 फीट किये जाने हेतू संरचनायें तोड़ी गई हैं। साथ ही आजाद चौक रोड़ को भी 40 फीट चौड़ा किये जाने हेतू परिषद् ने विगत सोमवार से संरचनायें तोड़ना शुरू कर दिया था। ऐसे में लोगों को व्यथित व चिंतित होना लाजमी है।

दूसरी ओर परिषद् द्वारा की जा रही कार्यवाही के बाद व्यापारियों के आक्रोश व आरोपों के बाद कहीं ना कहीं नगर परिषद् बैकफुट पर नजर आ रही है। खुद आयुक्त फतेह सिंह मीना ने एक सार्वजनिक सूचना शोसल मीडिया पर वायरल की है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि नगर परिषद की एंपावर्ड कमिटी तथा बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसरण में नगर परिषद द्वारा सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 से अग्रसेन सर्किल तक तथा पुरानी नगर पालिका भवन से आजाद चौक तक मास्टर प्लान सड़क मार्गाधिकार से स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही विभिन्न चरणों में संपन्न की गई है।

निर्णय के अनुक्रम में उपरोक्त सड़कों की चौड़ाई सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक 60 फीट, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 से अग्रसेन सर्किल तक 80 फीट तथा पुरानी नगरपालिका भवन से आजाद चौक तक 40 फीट की जानी प्रस्तावित था जिसके अनुक्रम में उच्च न्यायालय द्वारा जिन सरंचनाओं पर स्टे दिया गया है के अतिरिक्त सभी स्थानों से अधिकांश कार्यवाही नगर परिषद द्वारा संपन्न की जा चुकी है। फिलहाल इन स्थानों के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान अथवा मार्ग पर नगर परिषद द्वारा कार्यवाही की जानी प्रस्तावित नहीं है।

# सूने मकान से 10 लाख के जेवर व नगदी चोरी

चोरी की घटना के बाद पुलिस ने पूछताछ की।

**मालपुरा,** (निसं)। मालपुरा शहर के वार्ड नम्बर 20 कायस्थ मौहल्ला में मंगलवार की रात चोरों ने रैकी कर पुलिस की रात्रि गश्त के दावों को ठेंगा दिखाते हुए सूने मकान के ताले तोड़ 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभुषण व 60 हजार से अधिक की नगदी को चुरा लिया।

ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सहित चोरी की वारदात में उपयोग लिये गये संसाधन तक उपलब्ध करवाने के बावजूद बीते 6 माह में एक भी चोरी की वारदात का खुलासा नहीं किया जा सका। इसी प्रकार भीलवाड़ा शादी समारोह में शरीक होने गये प्रदीप चन्द पुत्र पदम चन्द ठेग्या के सूने मकान को मंगलवार की रात को चोरों निशाना बनाते हुए मुख्य दरवाजे व अलमारी के ताले तोड़ तकरीबन 14 तोला सोना व डेढ किलो चांदी के आभुषण सहित 60 हजार रूपये से अधिक की नगदी चुरा ली। वारदात का पता बुधवार को शादी से लौटने पर गेट का ताला टूटा होने व कमरों में सामान बिखरा होने पर लगा। सूचना पर एएसआई भागचन्द चौधरी, रामनारायण गुर्जर, एमआईयू टीम के साथ वारदात स्थल पर पहुंच कर फिंगर प्रिन्ट सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाये। डीवाईएसपी सुशील मान ने भी मौके पर पहुंच पीड़ित मकान मालिक व परिवारजनों से घटना की जानकारी लेकर चोरी की वारदात का खुलासा करने का विश्वास दिया।

- भीलवाड़ा शादी समारोह में गये हुए थे परिवारजन

# इंजन में खराबी से सवा घंटा खड़ी रही रानीखेत एक्सप्रेस

**पाली,** (निसं)। इंजन में खराबी आने से पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन में बुधवार को रानीखेत एक्स्प्रेस करीब सवा खड़े खड़ी रही। जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इंजन में खराबी के कारण मारवाड़ जंक्शन में बुधवार सुबह करीब सवा घंटा ट्रैक पर रानीखेत एक्सप्रेस (15013) खड़ी रही। इससे जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी लेट हो गई। घटना के चलते दोनों ट्रेनों के यात्रियों और रेलवे फाटक बंद होने से मारवाड़ जंक्शन के लोगों को परेशानी हुई।

मारवाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 10:25 पर पहुंचने वाली रानीखेत एक्सप्रेस के इंजन में पॉवर लॉक की समस्या हो गई। जिससे ट्रेन पीर बाबा दरगाह के पास ट्रैक पर खड़ी हो गई। इससे पाली फाटक को भी बंद करना पड़ा। रेलवे तकनीकी टीम ने पहुंच खराबी दुरुस्त की। उसके बाद ट्रेन को रवाना किया जा सका। यहां करीब सवा घंटे ट्रेन खड़ी रही। सुबह करीब पौने बाहर बजे ट्रेन को रवाना किया गया।

**जोधपुर-रतलाम भी हुई लेट:-** रानीखेत एक्सप्रेस के खड़े रहने के चलते जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी आगे नहीं बढ़ सकी। ऐसे में करीब डेढ़ घंटे तक जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी खड़ी रही। जिसके चलते दोनों ट्रेनों के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मारवाड़ जंक्शन निवासी पार्षद कल्पेश जैन ने बताया कि ट्रेन खड़ी रहने से करीब एक घंटे से ज्यादा पाली रेलवे फाटक बंद रही। जिससे फाटक के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। लोगों को परेशान होना पड़ा क्योंकि अंडरब्रिज फाटक से करीब दो किलोमीटर दूर है। ऐसे में श्री सांई दर्शन सेवा संस्थान के अध्यक्ष देवेन्द्र मीणा और उनकी टीम में वाहन चालकों को अंडरब्रिज जाने के लिए माइक लगाकर अनाउंस किया।

## बेटे ने पिता की लाठी से मार की हत्या

**टोंक,** (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम बाड़ा जेरेकिला में बीती रात्रि को जमीनी मामले में एक बेटे ने अपने ही पिता की लाठी से मार गंभीर रुप से घायल कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे के करीब वृद्ध नाथूलाल बैरवा उम्र 55 साल निवासी ग्राम बाड़ा जेरेकिला को उसके बेटे योगेन्द्र बैरवा ने लाठी से पिटकर घायल कर दिया, जिसको गम्भीर अवस्था में सआदत अस्पताल लाया गया था, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रैफर किया, लेकिन चाकसू के पास पहुंचते उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद उसका शव टोंक लाकर सआदत अस्पताल की मोर्चरी में लाकर रखा गया।

पुलिस थानाधिकारी सदर घनश्याम मीणा ने बताया कि घटना के समय दोनों पिता-पुत्र अकेले थे। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए हत्या के आरोपी पुत्र जोगेंद्र को डिटेन कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी टोंक सालेह मोहम्मद भी मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम के जरीये मौके से साक्ष्य जुटाए गए। इस मामले में परिजनों के अनुसार मृतक नाथू लाल ने कुछ साल अपनी 3 बीघा जमीन बेची थी जिसके रूपयों को लेकर पिता-पुत्र में अक्सर विवाद हुआ करता था। इस मामले में आरोपी बेटे योगेन्द्र बैरवा को हिरासत में लेककर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# नकाबपोश बदमाशों ने तीन मिनिट में बैंक से सात लाख नब्बे हजार रुपये लूटे

**मंडावरी लालसोट,** (निसं)। मंडावरी थाना क्षेत्र की बिलोना कला ग्राम स्थित राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक में बुधवार दिन दहाड़े सुबह करीब ग्यारह बजे अज्ञात तीन हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों द्वारा डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया।

फिल्मी स्टाइल में बेखौफ घुसे तीन बदमाश महज तीन मिनट में बैंक में डकैती की वारदात को अंजाम देकर करीब सात लाख नब्बे हजार रुपयों को लूट कर फरार हो गए। बदमाशों ने वारदात के दौरान करीब पांच से छह राउंड फायर भी किए। उनमें से कंधे पर बैग टांके एक बदमाश ने बैंक के मुख्य द्वार पर मोर्चा संभाल लिया एवं दो अन्य बैंक के अंदर दाखिल हो गए। सभी लुटेरे बदमाशों के पास बंदूक आदि हथियार मौजूद थे। दो लुटेरों द्वारा बैंक में दाखिल होते ही दो हवाई फायर किए, हवाई फायर करने के बाद बैंक के कर्मचारी घबरा गए। इसके बाद बदमाशों ने बंदूक दिखाकर केशियर से स्ट्रांग रूम चलकर तिजोरी खोलने के लिए कहा गया। हालांकि बैंक में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा काफी विरोध भी जताया गया लेकिन बंदूक की नोक पर केशियर को बैंक स्ट्रांग रूम में ले जाकर तिजोरी को खुलवाया एवं उसमें रखी पूरी नगरी को खुद के साथ लाए एक बैग में भरकर जाते समय दोबारा फायर कर वहां से दहशत फैलाते हुए बाइक पर सवार हो फरार हो गए।

- बदमाशों ने वारदात के दौरान करीब पांच से छह राउंड फायर भी किए

बैंक लूट की घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने साक्ष्य जुटाए।

अज्ञात लुटेरों द्वारा लूट की वारदात को अंजाम देने की पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक अरविंद गोयल मौके पर पहुंचे एवं घटना को लेकर जानकारी ली। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक लालचंद कायल द्वारा भी बैंक स्थित घटनास्थल का जायजा लिया एवं एमओवी एफएसएल टीम द्वारा एकत्रित करवाने का कार्य भी करवाया।

वहीं इस डकैती की घटना को अंजाम देने आया एक युवक बाहर गेट पर बंदूक लेकर पहरेदारी कर रहा था इसी दौरान वहां निकले एक ग्रामीण को वहां से जाने को कहा इस पर ग्रामीण खुद के घर के सामने जाकर खड़ा हो गया जहां लुटेरे द्वारा ग्रामीण पर भी फायर किया गया जिसमें ग्रामीण भी बाल-बाल बच गया। वहीं इस लूटपाट की घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा मंडावरी थाना क्षेत्र में विगत कई दिनों से लगातार बढ़ रही अपराधिक घटनाएं एवं लूटपाट चोरी की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए थाना अधिकारी रामपाल मीणा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खडे किए हैं। ग्रामीणों ने कहा कि मौजूदा थानाधिकारी रामपाल मीणा के कार्यकाल में मंडावरी थाना क्षेत्र में लूटपाट चोरी आदि की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

वहीं बैंक के शाखा प्रबंधक नेमीचंद मीणा द्वारा इस लूटपाट की वारदात को लेकर मंडावरी थाने में मामला दर्ज करवाया है। वहीं मामले को दर्ज कर पुलिस की विभिन्न टीमें अज्ञात लुटेरों की तलाश में सीसीटीवी फुटेजो एवं अन्य तकनीकी माध्यमों से उन तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

## प्रवेश-पत्र अपलोड

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा संरक्षण अधिकारी (महिला अधिकारिता विभाग) परीक्षा-2022 के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए गए हैं। आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक तथा एसएसओ पोर्टल में लॉगिन कर इन्हें डाउनलोड किया जा सकता हैं। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि उक्त परीक्षा जयपुर जिला मुख्यालय पर 28 जनवरी 2023 को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी यथाशीघ्र समयान्तर्गत प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकते हैं।

# स्पाइसजेट एयरवेज के खिलाफ परिवाद पर दो लाख का जुर्माना

**जोधपुर,** (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रथम जोधपुर ने एक मामले में अप्रार्थी स्पाइसजेट एयरवेज लिमिटेड के खिलाफ पेश परिवाद को स्वीकार कर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया। आयोग अध्यक्ष चंद्रकला जैन, सदस्य राजाराम सर्राफ व सदस्या अफसाना खान ने परिवादी गोकुलेश बोहरा का परिवाद स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया।

परिवादी की ओर से अधिवक्ता सीपी चौहान ने बताया कि परिवादी गोकुलेश बोहरा का विवाह 27 नवम्बर 2015 को हुआ था। हनीमून के लिए पैकेज बुक कराया था, जिसके लिए फ्लाइट बुक करानी थी। अप्रार्थी संख्या दो स्पाइसजेट की मुम्बई से कोच्चि के लिए फ्लाइट है, जो आपको वहां पहुंचा देगी। परिवादी ने जोधपुर से मुम्बई के लिए 13,990 रुपए और मुम्बई से कोच्चि के लिए दो टिकट के लिए 13,388 रुपए लिए गए।

**कंपनी ने कहा फ्लाइट निकल गई:-** परिवादी व उसकी पत्नी 19 दिसंबर 2015 को औपचारिकताएं पूरी कर मुम्बई रवाना हुए, लेकिन मुम्बई पहुंचने पर एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास के लिए स्पाइसजेट वालों ने परिवादी को मना कर दिया। कंपनी ने कहा कि आज की फ्लाइट निकल गई है। इस पर परिवादी मुम्बई में होटल में रुके, जिसका खर्चा भी हुआ। कोर्ट ने दो माह में परिवादी को खर्चे-हर्जे व क्षतिपूर्ति तथा विधिक व्यय के लिए दो लाख अदा करने के निर्देश दिए।

# ख्वाजा साहब को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चढ़ाई चादर

## भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में चादर पेश कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी

**अजमेर,** (कासं)। ख्वाजा साहब के सालाना उर्स के मौके पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजी गई चादर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी के नेतृत्व में पेश की कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी। खादिम सैयद अफशांन चिश्ती ने चादर पेश कराई। दरगाह में चादर पेश करने के दरगाह के मुख्य द्वार पर पीएम मोदी का संदेश दरगाह कमेटी के सदर शाहिद हुसैन रिजवी ने पढ़कर सुनाया। चिश्ती ने सभी की दस्तारबंदी कर प्रधानमंत्री के लिए ताबर्रुक भेंट किया। इस अवसर पर सैयद आदिल हुसैन, सैयद सलीम आफ़ताब,सैयद इमरान चिश्ती, सैयद अमान चिश्ती सैयद वज़ीर चिश्ती भी साथ रहे। अंजुमन सैयद ज़ादगान के सदर अलहाज गुलाम किब्रिया ने सभी दुआ की। सैयदज़ादगान की ओर से अंजुमन अध्यक्ष, सचिव व उपाध्यक्ष ने सभी की दस्तारबंदी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में उर्स के अवसर पर विश्व भर में ख्वाजा साहब के अनुयायियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। संदेश में उन्होंने कहा कि दुनिया को प्रेमए सौहार्द और बंधुत्व का संदेश देने वाले महान सूफी संत के वार्षिक उर्स पर दरगाह शरीफ पर चादर भेजते हुए मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत में विभिन्न पंथों मान्यताओं और आस्थाओं का सद्भावपूर्ण सह अस्तित्व हमारे देश की समृद्ध विरासत है। हमारे देश में संतोंए पीरों व फकीरों ने शांति एकता और सद्भाव के पैगाम के जरिए राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने बाने को सदैव मजबूती प्रदान की है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भारत की महान आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतीक हैं। गरीब नवाज द्वारा की गई मानवता की सेवा निरंतर पीडितों को प्रेरणा देती रहेगी।

अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर पेश की।

अनेकता में एकता हमारे देश की खूबसूरती है और सालाना उर्स विभिन्न मान्यताओं एवं आस्था के लोगों द्वारा इसी भावना को संजोते और सहजते हुए इसका उत्सव मनाने का अवसर है। आजादी के अमृत कालखंड में देश सामूहिक सामर्थ के जरिए प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए आगे कदम बढ़ा रहा है। मुझे विश्वास हैं कि सामूहिक सामर्थ के जरिए देश प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 811वें उर्स पर मैं दरगाह अजमेर शरीफ से देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना करता हूं।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, दरगाह कमेटी के अध्यक्ष सैयद शाही हुसैन रिजवी, भाजपा सांसद भागीरथ चौधरी, डिप्टी मेयर नीरज जैन, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सहित भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 को मालासेरी आएंगे

**भीलवाड़ा,** (नि.सं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी सुबह 9.20 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना होकर सुबह 10.30 बजे उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से 10.35 बजे हेलीकॉप्टर से मालासेरी के लिए रवाना होंगे। वे सुबह 11.25 बजे मालासेरी पहुंचेंगे। वे यहां पर भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती के मौके पर आयोजित अवतरण महोत्सव में भाग लेंगे। यहां से दोपहर 12.55 बजे हेलीकॉप्टर से वापस उदयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होकर दिल्ली जाएंगे। आसींद क्षेत्र के मालासेरी में 28 जनवरी को पीएम की प्रस्तावित यात्रा से पहले ही भगवान देवनारायण की जन्मस्थली मालासेरी का स्वरूप बदल गया है। यहां गुर्जरों का मेला-सा लगने लगा है।

1100 महिलाओं की कलश यात्रा के साथ जन्मोत्सव का आगाज हुआ था, अब भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती पर 1100 किलो पीले चावल और यहां की पावन मिट्टी भेजकर देशभर में गुर्जर समाज को न्योता भेजा जा रहा है। इस धार्मिक यात्रा के बहाने मोदी गुर्जरों को साधने आ रहे हैं। मोदी की सभा के लिए 50 बीघा का मैदान और 5 हेलीपेड बनाए जा रहे हैं। मोदी यहां पर धार्मिक टूरिस्ट सर्किट की घोषणा कर सकते हैं। मोदी के कार्यक्रम के प्रभारी खुद केंद्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल हैं। केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय के अधिकारियों की टीम कई बार मालासेरी का दौरा कर चुकी है। ऐसे में इस दौरे को लेकर काफी उम्मीदें हैं।

- भगवान देवनारायण की जयंती महोत्सव में आएंगे मोदी

## एसीबी ने उप निदेशक कृषि के खिलाफ दर्ज की शिकायत

**जयपुर।** एसीबी मुख्यालय की ओर से उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग अजयसिंह शेखावत के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति का मामला दर्ज कर किया गया। मामला दर्ज होने पर एसीबी की टीमें शेखावत के चार ठिकानों पर सर्च कर रही हैं। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की इंटेलिजेंस इकाई ने शिकायत मिलने पर शेखावत के जयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर कार्यालय में स्थित चार ठिकानों पर सर्च कर रही हैं।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय की ओर से अजय सिंह शेखावत उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग, डूंगरपुर के खिलाफ शिकायत का सत्यापन किया गया। जिस में आय से अधिक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का मामला सामने आने पर प्रकरण दर्ज किया गया। एडिशनल एसपी आहद खान के नेतृत्व में ब्यूरो की टीमें जयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं डूंगरपुर तथा इन्टेलिजेंस यूनिट के सहयोग से विभिन्न टीमों का गठन किया गया। आज सुबह से ही शेखावत के 4 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की गई। अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार अजय सिंह शेखावत उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग, डूंगरपुर एवं उनकी पत्नी किशन कंवर द्वारा अनेक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का अनुमान हैं। जो उनकी वैध आय से अधिक है। उपनिदेशक द्वारा अपनी अवैध आय को जयपुर, चित्तौड़गढ़ में आवासीय, व्यावसायिक भूखण्डों, फ्लैटों एवं म्यूचल फण्ड इन्श्योरेन्स आदि में निवेश करना सामने आया हैं।

एसीबी के एडीजी दिनेश एम.एन. के निर्देशन में ए.सी.बी. की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर सर्च जारी है। जिसमें और अधिक परिसम्पत्तियों का पता चलने की संभावना है। आरोपी के विरूद्ध आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का प्रकरण पीसी एक्ट में दर्ज गया हैं। आरोपी के ठिकानों पर कई दस्तावेज मिले हैं जिनकी जांच की जा रही हैं।

- उप निदेशक अजयसिंह शेखावत के चार ठिकानों पर एसीबी कर रही सर्च

**पर्यावरण स्वीकृति आम सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आशियाना एकांश खसरा सं. 1790, 1791/1, 1791/2, 1792, 1793/1, 1793/2, 1794 व 1795 ग्राम-भांकरोटा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान जिसका भूखण्ड क्षेत्र 34816.61 वर्गमीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat-8a(21671)/2021-22 दिनांक 16.01.2023 तथा पहचान संख्या EC23B038RJ138855 दिनांक 20.01.2023 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है एवं पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाईट http://www.parivesh.nic.in पर भी उपलब्धहै

## सार-समाचार

### नामदेव महाराज की शोभायात्रा निकाला

**बिजयनगर,** (निसं)। श्री नामदेव छीपा सेवा संस्थान बिजयनगर के तत्वाधान में बसंत पंचमी पर्व के अवसर पर संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज की शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होकर निकाली गई ।शोभा यात्रा लक्ष्मी नारायण मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्ग बालाजी मंदिर रोड कृषि मंडी चौराहा पीपली चौराहा महावीर बाजार होते हुए वैष्णव भवन पहुंची । शोभायात्रा से पूर्व वैष्णव भवनपरिसर में में सीनियर सिटीजन का सम्मान समारोह व समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को मोमेंटो कैटेगरी वाइज गोल्ड सिल्वर व ब्रांच मेडल सम्मान स्वरूप दिए गए । कदम शिक्षा की मीडिया प्रभारी राकेश छीपा ने बताया कि एक कदम शिक्षा की ओर के तहत समाज के छोटे बच्चों को उत्तर पुस्तिका देकर शिक्षा के लिए प्रेरित किया ।आयोजित कार्यक्रम मेंसमाज के वरिष्ठ जनलादूराम काकरवाल सुरेश चंद धनोपिया हीरालाल धनोपिया रमेश चंद बघेरवाल बिहारी लाल धनोपिया रामस्वरूप तलाइच बसंती लाल जेठाणिया लक्ष्मण कुमार अमरवाल कवरी लाल तलाईच मदन लाल सरावगी कन्हैया लाल तलाईच गोवर्धन लाल सरावगी नंदराम पटवा सत्यनारायण धनोपिया जगदीश नरबाण राधेश्याम दोसाया का सम्मान किया गया। संचालन सूर्य प्रकाश जी बघेरवाल द्वारा किया गया।

### राजकीय विद्यालय में 40 स्वेटर बांटे

**मदनगंज-किशनगढ़,** (निस)। सद्भावना सेवा ट्रस्ट किशनगढ़ शाखा अध्यक्ष शंभू सिंह चोरड़िया के सहयोग से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय काचरिया में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को 40 स्वेटर वितरण किये। समाजसेवी शंभू सिंह चोरड़िया ने बताया की जरूरतमंद बच्चो की सेवा में सदैव तत्पर रहकर पुनीत कार्य में भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। गोविंद पाटोदिया ने भी अपने विचार व्यक्त किये। समारोह में विष्णु मेघवंशी, मगनीराम जाट, जगदंबा फ्रेंडस क्लब काचरिया संयोजक रंगलाल जाट, महासचिव जगदीश गुर्जर, सुमेर गुर्जर, हेमराज जाट, रामलाल जाट, महावीर मेघावंशी, श्योराम मेघवंशी, सुरज, ओबीसी युवा मोर्चा महामंत्री हीरालाल जांगिड़, हेमराज जाट, मोतीराम जाट के अलावा प्रधानाध्यापिका प्रियंका, मनीष शर्मा, अनूप शर्मा, पूजा, प्रियंका, तारा सहित आदि उपस्थित रहे।

### बच्चों को स्वेटर बांटे

**ब्यावर** (निसं) गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा उदयपुर रोड़ शाखा ने कार्पोरेटिव सोशल रेस्पोसिबिलिटी के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों के लगभग 160 बच्चों को स्वेटर, चॉकलेट, बिस्किट वितरित किए गए। कार्यक्रम वार्ड नंबर 21 में स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राजकुमार खंडेलवाल, शाखा प्रबंधक विपुल बिरानी थे तथा महिला बाल विकास अधिकारी नितेश यादव, विशिष्ठ अतिथि महिला सुपरवाइजर चंद्रकांता जोशी, आकांक्षा अग्रवाल, राहुल सांखला, नीरज रांकावत, जसवंत सिंह राठौड़, गोपाल कृष्ण गहलोत, हिमांशु वैष्णव, विजय खोकर,भंवरी देवी आदि अतिथियों का पार्षद राजेन्द्र तुनगरिया ने स्वागत किया।

### अनुसंधान अधिकारी सस्पेंड

**परबतसर** (निस) बरामदगी में घपला करने की कोशिश करने वाला परबतसर थाने के अनुसंधान अधिकारी रामस्वरूप को एसपी राममूर्ति जोशी ने सस्पेंड किया एसपी ने जांच परबतसर थानाधिकारी विनोद कुमार को दी। सी आई ने चोरी के 2 लाख रुपए बरामद किए। परबतसर में पत्रकार दामोदर पारीक के यहां चोरी 29 अक्टूबर 2022 को 2 लाख 80 हजार की हुई थी। कर्नाटक के आरोपी आर सुनील ने खुजली के पाउडर लगाकर की थी चोरी। अथक प्रयासों से मुल्जिम की गिरफ्तारी के बाद लेकिन अनुसंधान अधिकारी रामस्वरूप की नियत में खोट आया बताते हैं।

### ब्यावर कॉलेज खेल कूद प्रतियोगिता

**ब्यावर** (निसं) सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रति. के दूसरे दिन आज एथलेटिक्स की विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई। छात्रा वर्ग की जेवेलियन थ्रो में शहनाज़ काठात, गुंजन रावत व पूजा चौहान ने क्रमशः पहला दूसरा वा तीसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार 100 मी दौड़ में सोनू दगदी, पूजा मेघवाल, मनीषा, तस्तरी फेंक में पूजा चौहान, सुमन, गुंजन ने, ऊँची कूद में पूजा मेघवाल, गुंजन रावत, खुश्बू सेन ने, लम्बी कूद में गुंजन, पूजा मेघवाल, प्रियंका राठौड़ ने, क्रमशः पहला दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया।

# जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह आयोजित हुआ

**अजमेर,** (कासं)। जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह काआयोजन बुधवार को सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के गांधी भवन में हुआ।

संभागीय आयुक्त बी.एल. मेहरा ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।इस अवसर पर संभागीय आयुक्त बी.एल. मेहरा ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर एक सम्मानजनक पद है एवं इनका चुनाव संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा सभी संगठनों एवं कार्मिकों को यह दायित्व प्रदत है की योग्य नागरिक मतदान सूची से वंचित ना रहे। पात्र नागरिक का नाम जुड़ने से ना रह जाए तथा अपात्र का नाम नहीं जुड़ जाए यह मूल उद्देश्य है। मतदाता सूची में पंजीकरण कराने के लिए विद्यार्थी एक

■ **संभागीय आयुक्त ने दिलवाई शपथ**

जनवरी, एक अप्रैल, एक जुलाई अथवा एक अक्टूबर को आवेदन कर सकते हैं। जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस के कार्यक्रम में मतदान के लिए शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र को मतबूत करने के लिए प्रत्येक मतदाता को मतदान करना चाहिए। मतदाता को अपने अधिकार तथा जिम्मेदारियों के प्रति भी सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोकतंत्र से बेहतर सरकार का कोई दूसरा रूप नहीं है।

समारोह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा मतदान जागरूकता क्विज आयोजित की गई। कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के द्वारा जारी थीम पर आधारित ब्लॉक स्तरीय निबन्ध लेखन, कविता लेखन एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में अजमेर शहर स्तर पर प्रथम, द्वितीय विजेता विद्यार्थियों (विद्यालय एवं कॉलेज शिक्षा) को, निर्वाचन गतिविधियों मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ तथा कार्मिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षु आरएएस अधिकारी अमृता मान, शिवाक्षी खांडल, भरत राज गुर्जर, तहसीलदार प्रीति चौहान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक प्रफुल्ल चंद्र चौबीसातथा विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## प्रदर्शनी में छूट

**अजमेर,** (कासं)। जिला स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2023 का आयोजन अरबन हाट वैशाली नगर अजमेर में किया जा रहा है। इसमें खरीददारों को आधी कीमत पर खादी उत्पाद उपलब्ध करवाए जा रहे है। संभाग खादी अधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि वैशालीनगर स्थित अरबन हाट में 29 जनवरी तक जिला स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2023 का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी दोपहर 12 बजे से सांय 9 बजे तक खुली है। प्रदर्शनी में राज्य एवं भारत सरकार के द्वारा राज्य निर्मित खादी वस्त्रों पर 50 प्रतिशत तक विशेष छूट दी जा रही है। उन्होंने बताया कि खादी ठाामोद्योग प्रदर्शनी में भीलवाडा, नागौर, टोंक, अजमेर एवं जम्मू कश्मीर की खादी संस्था, समितियां एवं ग्रामोद्योग इकाईयां भाग ले रही है। खादी वस्त्रों में लेडिज, जेण्टस् ऊनी शॉल, जाकिट, कोट, कुर्ता, शर्ट एवं सूती पॉली खादी में लेडिज तथा जेण्टस् रेडीमेड वस्त्र उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री कर रहे है।

## किनसरिया ने बांटे पीले चावल

**परबतसर,** (निस)। भगवान देवनारायण के जन्मोत्सव पर देवनारायण जन्म स्थली पर 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धर्म सभा मैं बुलावे के लिए बुधवार को पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया ने परबतसर शहर गांधी चौक रानी बाजार व्यास चौक मुख्य बस स्टैंड क्षेत्र का दौरा कर लोगों को पीले चावल और मालेसरी डूंगरी की मिट्टी और पाती लोगों को आमंत्रित करने के लिए सोपी इस मौके पर किनसरिया ने कहा है कि शुभ कार्य से पूर्व पीले चावल बांटना भारत की संस्कृति है क्षेत्र के प्रत्येक गांव में जाकर गुर्जर समाज और अन्य समाज के लोगों को पीले चावल मिट्टी व पाती भैटकर 28 जनवरी को मालासेरी डूंगरी में भगवान देवनारायण के जन्मोत्सव पर आयोजित धर्म सभा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है प्रधान प्रतिनिधि राजेश गुर्जर ने बताया 28 जनवरी को मालेसरी में आयोजित जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान देवनारायण के दर्शन कर धर्म सभा को संबोधित करेंगे इस मौके पर उपस्थित रहे पूर्व पालिकाध्यक्ष श्रीभगवान बग, प्रधान प्रतिनिधि राजेश गुर्जर, हरलाल गुर्जर, नरेंद्र जयपाल, मोनू सिंह राठौड़ नैणिया, पार्षद पूनम चंद शर्मा, रामजीवण गोदारा, पूर्व सरपंच नंदाराम गुर्जर, गोगाराम गुर्जर, रामलाल गुर्जर, मुकेश तंवर, दिलीप गुर्जर, कानाराम गुर्जर आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# बिदियाद में वार्षिक उत्सव मनाया

**परबतसर,** (निस) क्षेत्र के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बिदियाद में आज वार्षिक उत्सव मनाया गया।संस्था प्रधान जगदीश प्रसाद काला ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए सुरेश चंद्र व्यास पूर्व उपनिदेशक शिक्षा ने कहा कि संस्कारवान शिक्षा वर्तमान परिस्थिति में अति आवश्यक है। इन्होंने विवेकानंद का दृष्टांत सुनाते हुए अपने कर्तव्य का पालन करने को कहा।

उन्होंने ग्रामीणों से शिक्षा में विशेष दान का आहवान किया। इस अवसर पर सरपंच शरवन कुमार बुगालिया ने विद्यालय मरम्मत और रंग रोशन की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से कचरा कचरा वाहन में डालने की अपील की ताकि सफाई व्यवस्था अच्छी रहे। ग्राम पंचायत शिक्षा चिकित्सा पर विशेष ध्यान दे रही है। इस अवसरपर सीबीईओ हनुमान राम ने कहा कि राजकीय विद्यालयों में गरीब स्तर के बच्चे पढ़ते हैं। अतः इन पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है। डॉक्टर पृथ्वीराज तिवारी जी ने इस अवसर पर योग पर विशेष ध्यान देते हुए एक प्रिंटर देने की घोषणा की। पीईईओ राघवेंद्र सिंह शेखावत ने विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि अल्प समय में ही विद्यालय द्वारा उच्च प्रगति की है। इस अवसर पर सुखदेव दास महाराज ,नेमीचंद तवर, रामनारायण सैनी, भंवरलाल बुगालिया, कैलाश मेहरा,इब्राहिम तेली, दयाल बड़ारडा, नेमीचंद बुगालिया, महेश चंद्र रानड, राधेश्याम लड्ढा, कैलाश चंद्र सेन, दिनेश दमामी आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सुचारू व्यवस्थित रखने के लिए अनीता देवी पारीक, सुनीता कुमारी जांगिड़, शक्ति सिंह, रणवीर सिंह, सुरेश चंद, रोशन बाई मीणा, गोपाल सोनगरा, रामदेव जी मुरली सोलंकी, धनाराम, रामदीन, जितेंद्र सोनी, अंजू बुगालिया आदि ने सहयोग दिया।

# गणपति पूजन के साथ मेले का शुभारम्भ

**ब्यावर** (निसं) विश्व पटल पर शहर को पहचान प्रदान करने वाले ऐतिहासिक बादशाह मेले हेतु गणपति पूजन कर मेले कि तैयारियो का शुभारम्भ किया। मेला संयोजक मुकेश गर्ग व राजकुमार गोयल ने बताया कि बादशाह मेला ब्यावर का प्रसिद्ध मेला ही नही बल्कि विश्व का प्रसिद्ध पर्यटन मेला है। इस मेले पर भारत के सभी क्षेत्रो से एतिहासिक मेले की देखने के लिए लोग आते है। इस मेले में विदेशो के पर्यटक भी शामिल होकर धूमधाम से मेले का आनंद नाचते गाते उठाते है।

धुलंडी के अगले दिन यह बादशाह मेला मनाया जाता है। प्रचार मंत्री भरत कुमार मंगल ने बताया कि इस वर्ष यह मेला 08 मार्च 2023 शनिवार को सांय 3:00 बजे बादशाह की सवारी भेरूजी के मंदिर से प्राम्भ होकर भारत माता सर्किल, अठासेन बाज़ार, महादेवजी की छत्री, फतेहपुरिया चौपड़, अजमेरी गेट, एसबीआई, उपखंड कार्यालय करीब सांय 6:00 बजे पहुँचेगी।

मंत्री पवन रायपुरिया ने बताया कि गणेश पूजन कार्यक्रम के दौरान समाज अध्यक्ष नितेश गोयल, मंत्री पवन रायपुरिया, निर्मल बंसल, रमेश बंसल, आरसी गोयल, कमल मुरारका, अमित बंसल, श्याम सिंहल, प्रेम जिंदल, अशोक गोयल, शैलेंद्र गुप्ता, ओम प्रकाश अठावाल, रोशन बादशाह, मुकेश अठावाल,राजेन्द्र एन अठावाल, लोकेन्द्र अठावाल, राजेंद्र राजकोट, जगदीश बादशाह, गोविंद सीकर वाला, श्याम सुंदर अठावाल,रजत अठावाल, सतीश सर्राफ, मुकेश सिंहल, सुनील जिंदल,अरविंद बंसल, कमल सर्राफ, राजेंद्र मंगल, चंदू अठावाल,कैलाश मूंदड़ा, दिनेश गर्ग, किशन जी पाली वाला,निखिल जिंदल, चिंटू गर्ग,अभय अठावाल, चिराग गर्ग आदि बन्धु उपस्थित थे।

## सार-समाचार

### प्रतियोगी परीक्षा-2022 का कार्यक्रम जारी

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया गया। 12 फरवरी से 15 फरवरी 2023 तक 11 जिला मुख्यालयों पर इस परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि परीक्षा के सुगम संचालन हेतु 6 विषयों को दो ठाुपों में वर्गीकृत किया गया है। ग्रुप-ए में सामाजिक विज्ञान एवं हिन्दी तथा ग्रुप-बी में विज्ञान, संस्कृत, गणित एवं अंग्रेजी विषय रखे गए हैं। अटल ने कहा कि सामान्य ज्ञान एवं शिक्षा मनोविज्ञान प्रश्न-पत्र की परीक्षा का आयोजन 12 फरवरी 2023 को ग्रुप-ए के लिए सुबह 10 से 12 बजे तक एवं ग्रुप-बी के लिए दोपहर 2 से 4 बजे तक किया जाएगा। 13 फरवरी 2023 को सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा प्रातः 10 से 12.30 बजे तक तथा हिन्दी विषय की परीक्षा दोपहर 2.30 से 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। 14 फरवरी 2023 को प्रातः 10 से 12.30 बजे तक विज्ञान विषय एवं दोपहर 2.30 से 5.00 बजे तक संस्कृत विषय की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। 15 फरवरी 2023 को प्रातः 10 से 12.30 बजे तक गणित विषय तथा दोपहर 2.30 से 5.00 बजे तक अंठोजी विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

### मतदाता दिवस पर शपथ ली

**शाहपुरा,** (नि.सं.)। श्री प्र.सिं.बा. राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में प्राचार्य प्रो. रामावतार मीना ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता हेतु शपथ दिलाते हुए कहा कि लोकतान्त्रिक देश में जनप्रतिनिधियों के चयन हेतु मतदान की महती उपादेयता है। प्रत्येक वयस्क मतदाता को मतदान जैसे पुनीत कार्य में भाग लेकर अपने नैतिक दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रंजीत जगरिया ने बताया कि 18 वर्ष की आयु प्राप्त प्रत्येक मतदाता को मतदाता सूची में नाम जुडवाकर मतदान प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। महाविद्यालय विद्यार्थी मतदाता दिवस पर यह संकल्प लें कि आगामी चुनाव में निष्पक्ष रूप से भाग लेंगे कार्यक्रम में डॉ. पुष्कर राज मीणा, प्रो. मूलचन्द खटीक, डॉ. अनिल कुमार श्रोत्रिय, प्रो.सत्यजीत जेटली,डॉ. ऋचा अंगिरा, प्रो. जयकृष्ण त्रिपाठी, डॉ. हंसराज सोनी, प्रो. दिग्विजय सिंह, प्रो. प्रियंका ढाका, प्रो. शंकर लाल चौधरी, प्रो. अतुल कुमार जोशी, प्रो. नेहा जैन एवं सहायक लेखाधिकारी प्रथम कैलाश चन्द्र डोलिया, छात्रसंघ उपाध्यक्ष अभिषेक जाट इत्यादि उपस्थित थे।

### चैक अनादरण के आरोपी को सजा

**भीलवाड़ा,** (नि.सं.)। न्यायालय विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. एक्ट प्रकरण संख्या-3) भीलवाड़ा ने चैक अनादरण के आरोपी/अभियुक्त को एक प्रकरण में 7 माह के कारावास तथा 4,26,000/- रूपयें के प्रतिकर से दण्डित किया।परिवादी रोनक सिंह आत्मज हरभजन सिंह पंजाबी निवासी बापूनगर भीलवाड़ा ने अधिवक्ता ललित सांखला के मार्फत एक परिवाद न्यायालय में अभियुक्त राजेश आत्मज शांति लाल शर्मा निवासी बापूनगर भीलवाड़ा, के विरूद्ध 3,00,000/- के चैक अनादरण बाबत् प्रस्तुत किया, जिसमें प्रस्तुत साक्ष्य व दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी/अभियुक्त राजेश आत्मज शांति लाल शर्मा निवासी बापूनगर भीलवाड़ा को धारा 138 एन.आई. एक्ट के तहत चैक अनादरण के अपराध का दोषी मानते हुए प्रकरण में 7 माह के साधारण कारावास तथा 4,26,000/- रूपयें बतौर क्षितपूर्ति परिवादी को देने का आदेश दिया तथा अदम अदायगी प्रतिकर राशि प्रकरण में 1 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतने का आदेश दिया।

### जसंवतपुरा में मनाया वार्षिक उत्सव

**अजमेर,** (कासं)।लोहरवाडा ठााम पंचायत समिति के गांव जसवंतपुरा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को वार्षिक उत्सव व पुरूस्कार वितरण समारोह बडी धूमधाम के साथ मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथिगण वार्ड पंच मोहन लाल शर्मा, सुनिल बैरवा, लोहरवाडा राजकीय विद्यालय के प्राचार्य राकेश जीनगर ने छात्र-छात्राओ को पुरूस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका प्रमिला बोहरा, अध्यापक महेन्द्र चौधरी, नीरज गुर्जर व मिलीनी राय आदि मौजूद रहे।

### सी.एम. की चादर पेश

**अजमेर,** (कासं)। सीएम गहलोत की ओर से चादर पेश करने के बाद दरगाह के बुलंद दरवाजे पर डॉ खानु खान बुधवाली सहित अन्य नेताओं की दस्तारबंदी की गई। राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ खानू खान बुधवाली ने बताया कि 27 जनवरी 2023 को यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के की चादर पेश की जाएगी। सोनिया गांधी की चादर पेश करने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, इमरान प्रतापगढ़ी अजमेर आएंगे।

### बैडमिंटन प्रतियोगिता हुई

**अजमेर,** (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर में कर्मचारियों ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मेत्रीय बैडमिंटन प्रतियगिता का आयोजन किया जिसमें 2 टीमों ने भाग लिया। एक टीम कुलपति और दूसरी कुलसचिव टीम थी जिसमें कुलसचिव टीम विजेता रही। विजेता टीम में उमेश शर्मा, शेखर गुप्ता, राजेश गर्ग ,महेश यादव, दीपक शर्मा उप विजेता टीम में डॉ मदन मीना, मुकेश मीणा, नीरज पवार, रमेश सोनी, नरेंद्र सोनी थे। मैच के निर्णायक राजकुमार गर्ग थे।

### प्रवेश-पत्र आज अपलोड होंगे

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 26 जनवरी 2023 को वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2022 के तहत ग्रुप-सी एवं डी की सामान्य ज्ञान परीक्षा के प्रवेश-पत्र अपलोड किए जाएंगे। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि 29 जनवरी 2023 को 28 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

# सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर पहुंचे

**जयपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर प्रांत के पांच दिवसीय प्रवास पर बुधवार रात जयपुर पहुंचे और 29 जनवरी तक रहेंगे।

जयपुर प्रांत के प्रांत संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गो ने बताया कि डॉक्टर भागवत 26 जनवरी को केशव विद्यापीठ जामडोली में विद्यालय के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे और प्रातःध्वाजारोहण करेंगे। इसी दिन दोपहर में संघ प्रमुख कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में कार्यकर्ता सपरिवार उपस्थित रहेंगे। 27 जनवरी को वे जयपुर के संघ कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इसी प्रकार 28 व 29 जनवरी को भी संघ के विभिन्न स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठकों में शामिल होंगे। इस दौरान संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारियों पर भी चर्चा करेंगे।



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर प्रांत के पांच दिवसीय प्रवास पर बुधवार रात जयपुर पहुंचे।

बैठकों में समाज सशक्तिकरण की दिशा में चलने वाली गतिविधियों यथा कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता और पर्यावरण पर भी मंथन होगा। उल्लेखनीय है कि सरसंघचालक का यह नियमित प्रवास है, जो दो वर्ष में एक बार प्रत्येक प्रांत में होता है। पिछले वर्ष चित्तौड़ प्रांत के उदयपुर में सरसंघचालक का प्रवास हुआ था। देशभर में संघ के 45 प्रांत है, इसी प्रकार राजस्थान क्षेत्र में जयपुर, चित्तौड़ और जोधपुर प्रांत है। प्रवास के क्रम में प्रांत को वर्ष में एक बार सरसंघचालक और दूसरी बार सरकार्यवाह का प्रवास मिलता है। इस दौरान समाज सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे विभिन्न कार्यों पर चर्चा होगी।

## होमगार्ड कल्याण कोष की राशि अन्य मदों में खर्च नहीं हो : हाईकोर्ट

**जयपुर।** हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अंतरिम आदेश देते हुए कहा है कि प्रकरण के निस्तारण तक होमगार्ड कल्याण कोष में जमा राशि का उपयोग होमगार्ड के लिए ही किया जाए। इसके अलावा यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पैसा अन्य गतिविधियों में खर्च नहीं हो। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश होमगार्ड समन्वय समिति की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी हजारों होमगार्ड के वेतन से प्रतिवर्ष राशि लेकर होमगार्ड कल्याण कोष बनाया गया है। इसमें होमगार्ड और उसके परिवार के कल्याण के लिए दैनिक वेतन से दस फीसदी राशि का संग्रहण किया जाता है, लेकिन इस फंड की कोई ऑडिट नहीं की जाती। इस कोष में करोड़ों रुपए की राशि जमा हो चुकी है। वहीं होमगार्ड से जुडे आलाधिकारी भी नाममात्र का अंशदान कर इस फंड के सदस्य बन जाते हैं।

वहीं फंड में जमा धनराशि का उपयोग होमगार्ड कल्याण के बजाए विभाग में फर्नीचर खरीद, कार पार्किंग के शेड निर्माण, और गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों आदि पर खर्च किया जा रहा है। इस राशि को होमगार्ड के प्रोविडेंट फंड में हस्तांतरित करने के लिए बाध्य होने के बावजूद भी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं भविष्य निधि विभाग भी मान चुका है कि इसके लिए पिछले एक दशक से राज्य सरकार से पत्राचार किया जा रहा है।

# आज से शुरू होगा कांग्रेस का 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान

**जयपुर,** (का.प्र.)। भारत जोड़ो यात्रा के फॉलोअप प्रोग्राम के रूप में 26 जनवरी से चलाए जाने वाले हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के जरिए कांग्रेस देश के 6 लाख गांव, 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और 10 लाख मतदान बूथों में ब्लॉक अध्यक्षों और अन्य नेताओं की सहायता से केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ चार्जशीट बांटेगी।

भ्रष्ट जुमला पार्टी नाम से तैयार की गई चार्जशीट को कांग्रेस जनता के बीच लेकर पहुंचेगी, जिसमें सूट-बूट की लूट के तहत देश के 10 प्रतिशत अमीरों के पास देश की 64 प्रतिशत और 50 प्रतिशत आबादी के पास 6 प्रतिशत संपत्ति होना, किसानों की कर्ज माफी नहीं होकर अरबपतियों को 72 हजार करोड़ की कर्ज माफी, खास मित्रों को 30 प्रतिशत बंदरगाह, एयरपोर्ट, बिजली उत्पादन और कोयले की खदान देना समेत कई बिंदु शामिल हैं।

इसके अलावा मोदी की छवि चमकाने पर टैक्स पेयर का 10 हजार करोड़ का प्रचार पर खर्चा, 90 प्रतिशत गुप्त इलेक्टोरल बांड से भाजपा की सरकारी हफ्ता वसूली, पार्टी भाई-भतीजा जनता पार्टी बनी, जिसमें

■ **केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ तैयार की गई चार्जशीट को घर-घर पहुंचाएगी कांग्रेस**

राजनीतिक घरानों के 20 मंत्री, 14 एमपी और 31 एमएलए शामिल हैं। इसके साथ ही रोजगार, भुखमरी समेत कई बिंदु इस चार्जशीट में रखे गए हैं। कांग्रेस इसी चार्जशीट में केंद्र सरकार को चीन के मामले में भी घेरते दिखाई देगी, जिसमें उन्होंने साफ लिखा है कि भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीन का कब्जा है। वहीं, हंगर इंडेक्स में पाकिस्तान से भी नीचे है।

राजस्थान में भी 26 जनवरी से कांग्रेस की ओर से हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इस अभियान के जरिए राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ता हर ब्लॉक पर हर मतदान बूथ तक पहुंचेंगे। इस अभियान के जरिए कांग्रेस पार्टी की ओर से आम जनता को घर-घर जाकर केंद्र की मोदी सरकार की गलत नीतियों की चार्जशीट, राहुल गांधी का आम जनता के लिए संदेश, राजस्थान सरकार के जनता के लिए किए गए कामों की सीट के साथ ही हर घर में राहुल गांधी की तस्वीर लगा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का स्टिकर लगेगा।

इस अभियान के लिए राजस्थान के प्रभारी बनाए गए आरसी खूंटियां भी अभियान के लिए जयपुर पहुंचेंगे, जो 26 जनवरी को अजमेर, 27 को भीलवाड़ा, 28 को चित्तौड़गढ़, 29 को उदयपुर और 30 जनवरी को राजसमंद में कार्यकर्ताओं के साथ हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा 27 जनवरी को अजमेर संभाग के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और आम जनता संवाद करेंगे। अगले दिन 28 जनवरी को राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जयपुर संभाग के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। राजधानी जयपुर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुआत कांग्रेस नेता अर्चना शर्मा दोपहर 12:30 बजे मोती डूंगरी मंदिर से करेंगी।

## साक्षात्कार 6 से

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर, गृह (ग्रुप-1) विभाग, 2021 के कुल 859 पदो हेतु साक्षात्कार का द्वितीय चरण 6 फरवरी से 16 फरवरी 2023 तक आयोजित किया जाएगा।

आयोग के संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रमानुसार द्वितीय चरण में लगभग 324 अभ्यर्थियों के साक्षात्कारों का आयोजन किया जाएगा। साक्षात्कार-पत्रों को आयोग की वेबसाइट पर यथा समय अपलोड कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के तहत 23 जनवरी से 2 फरवरी 2023 तक 252 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार का आयोजन आयोग द्वारा किया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अपने सभी मूल-प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति साथ लाने होंगे। इनके अभाव में साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

# अजमेर पहुंचा पाकिस्तानी जायरीन का जत्था

**अजमेर,** (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें सालाना उर्स में शरीक होने के लिए पड़ौसी देश पाकिस्तान से 240 जायरीन दल का जत्था बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच अमृतसर से विशेष ट्रेन के जरिए अजमेर पहुंचा। दल के साथ पाक दूतावास के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं। अजमेर रेलवे स्टेशन पर उतरते ही पाक जायरीन ने जमीन चूमी और उर्स में शरीक होने के लिए ख्वाजा साहब का शुक्रिया अदा किया।

ख्वाजा साहब के सालाना उर्स में 240 सदस्यों का पाकिस्तानी जायरीन दल का जत्था अजमेर बुधवार सुबह अजमेर रेलवे स्टेशन पहुंचा। पाक दल के आगमन को देखते हुए जिला पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने प्लेटफॉर्म नम्बर एक को सुरक्षा के लिहाज से खाली करवा लिया। अमृतसर से अजमेर आने वाले पाक जायरीन दल की स्पेशल ट्रेन से सुबह 9:5 मिनट पर आनी थी, लेकिन यह ट्रेन डेढ़ घंटे देरी से करीब 10:35 बजे अजमेर पहुंची। अजमेर सीआईडी जोन का दल भी ट्रेन में साथ आया। पाकिस्तानी जायरीन की सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए, साथ ही स्टेशन के चप्पे चप्पे पर पुलिस सहित विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों निगरानी में लगी रही। पाक दल के जायरीन को पांच रोडवेज की बसों के माध्यम कड़ी सुरक्षा के बीच चूड़ी बाजार स्थित सेंट्रल गर्ल्स स्कूल पहुंचाया गया, जहां जायरीन के लिए सभी इंतजाम जिला प्रशासन द्वारा किए गए है।

अजमेर रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए पाक दल में आए एक जायरीन ने बताया कि वह वर्ष 2004 में ख्वाजा उर्स के शिरकत करने अजमेर आया था और अब 17 साल बाद आने का मौका मिला है। यह ख्वाजा साहब का ही करम है। ख्वाजा साहब के दरबार में आने से मन को सुकून मिला है। उन्होंने कहा कि पाक जायरीन दल दोनों मुल्कों के आपसी सौहार्द के लिए दुआ मांगेंगे, चाहेंगे कि दोनों मुल्कों में खुशहाली बनी रहे।

ख्वाजा साहब के उर्स में आने वाले पाक जायरीन दल को उर्स शामिल होने के लिए अजमेर शहर में ठहराने वाले स्थान से दरगाह तक का ही ग्रुप वीजा मिलता है। ग्रुप से अलग हटकर कोई भी पाक नागरिक बाहर नहीं जा सकता है। प्रत्येक चार नागरिकों पर निगरानी के लिए एक जवान तैनात रहेगा। सुरक्षा की दृष्टि से उनके आने जाने पर बायोमेट्रिक सिस्टम से नजर रखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सालाना उर्स में विगत 20 वर्षों में पाक जायरीन के जत्थे में आने वाले 13 पाकिस्तानी जायरीन को वीजा उल्लंघन के मामले में ब्लैक लिस्टेड किया है।

# एम.जी. हॉस्पिटल में बच्चा बदलने की घटना

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले के अ श्रेणी प्राप्त महात्मा गांधी (एमजी) अस्पताल की मातृ एवं शिशु चिकित्सालय इकाई में आज एक बार फिर बच्चा बदलने का मामला सामने आया है। इसे लेकर काफी देर तक अस्पताल में हंगामा भी हुआ, जिसे पुलिस ने समझाइश कर शांत करवा दिया।

डीएसपी सिटी नरेंद्र दायमा ने बताया कि महात्मा गांधी अस्पताल के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय इकाई में मंगलवार सुबह प्रसव के लिए शैल कुमारी नामक महिला को लाया गया था, यह महिला अभी अपने माता-पिता के पास धुंवाला में ही थी। उसका पति सूरत में गाड़ी चलाता है। उत्तरप्रदेश निवासी माता-पिता यहां धुंवाला में ईंट भट्टे पर मजदूरी करते हैं। शैल कुमारी ने मंगलवार शाम को फिमेल बेबी को जन्म दिया। इसके बाद स्टॉफ नर्स ने शैल कुमारी को दुग्धपान के लिए एक बच्चा दिया। बाद में जब नर्स को पता चला कि जो बच्चा शैल कुमारी को दुग्धपान के लिए दिया गया, वो किसी और का है। इसका पता चलने पर स्टॉफ ने शैल कुमारी की नवजात बेटी उसे सौंप दी।

डीएसपी दायमा का कहना है कि इस बात को लेकर परिजनों को गलत फहमी हो गई कि शैलकुमारी को लड़की नहीं, बल्कि लड़का हुआ था। परिजनों को समझाइश कर शांत करवा दिया गया है। उधर, डीएसपी ने यह भी बताया कि मंगलवार दोपहर 3 से लेकर रात 11 बजे तक मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में जन्में सभी नवजात फिमेल चाइल्ड थी। ऐसे में यह शिकायत गलत फहमी के चलते हुई है। बच्चा बदलने जैसी कोई बात नहीं है।

वहीं प्रसूता के पिता का कहना है कि वह, अपनी पत्नी के साथ बेटी को प्रसव के लिए मंगलवार को मातृ एवं शिशु चिकित्सालय लाये थे, जहां शाम को बेटी शैल कुमारी को भर्ती कर लिया गया और शाम को ही प्रसव हुआ। उसका कहना है कि बेटी को लड़का हुआ था, यह जानकारी उसकी पत्नी को स्टॉफ द्वारा दी गई। इतना हीं नहीं, बल्कि लड़का भी बेटी को ही दिया हुआ था। करीब 15-20 मिनिट बाद नर्स, परिवादी की बेटी को दूसरा बच्चा देकर लड़के को वापस ले गई। पिता का कहना था कि उसे यह बताया जा रहा है कि रेकार्ड में कल जन्मे बच्चों में सभी लड़कियां थी। ऐसे में हमारे सामने यह स्वीकार करना मजबूरी है कि उसकी बेटी ने लड़का नहीं, बल्कि लड़की को जन्म दिया था। इसी तरह की बात प्रसूता की मां ने भी कही। उधर, अस्पताल के पीएमओ डॉ अरुण गोड ने बताया कि महिला ने फीमेल चाइल्ड को जन्म दिया था। उन्होंने बताया कि प्रसव के तुरंत बाद बच्चों के फुटप्रिंट लिए जाते है । साथ ही अटेंडेंट को तुरंत इसकी जानकारी भी दी जाती है। ऐसे में बच्चा बदलने की कोई गुंजाइश नहीं रह जाती। प्रसूता और उनके परिजनों को केवल गलतफहमी हुई है।

## शिविर में 106 यूनिट रक्तदान

**शाहपुरा, (नि.सं.)।** युवा समाजसेवी एवं युवा नेता प्रवीण सोनी के जन्मदिन पर प्रवीण सोनी मित्र मण्डल एवं सहयोग सेवार्थ फ़ाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शिव शक्ति धर्मशाला में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान 106 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

# आर.पी.एस.सी. में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया

**अजमेर, (कासं)।** राजस्थान लोक सेवा आयोग में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने आयोग कार्मिकों को मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ दिलाई। कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग का थीम सांग 'मैं भारत हूं' भी बजाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि भारत में चुनाव आयोग की स्थापना के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। हमारे संविधान द्वारा देश की जनता को मतदान का महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किया गया है। यह अधिकार ही सशक्त लोकतंत्र का आधार है। आवश्यक है कि हम सभी निर्वाचनों के दौरान अपने मताधिकारों का प्रयोग करें साथ ही अन्य व्यक्तियों को भी जागरूक करें।

विधि परामर्शी भंवर भदाला ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी व्यक्तियों को मतदान एवं युवा वर्ग को मतदाता पंजीकरण के प्रति प्रोत्साहित करना है। यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए, महत्वपूर्ण है क्योंकि, भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है।

कार्यक्रम में मंच संचालन अनुभाग अधिकारी दिनेश सिंगोदिया द्वारा किया गया। इस दौरान आयोग के वरिष्ठ उपसचिव, उपसचिव, सहायक सचिव, अनुभाग अधिकारियों सहित समस्त कार्मिक भी उपस्थित रहे।

## ए.डी.ए. ने कमाए 16.89 करोड़

**अजमेर, (कासं)।** अजमेर विकास प्राधिकरण ने बुधवार को पंचशील नगर, हरिभाऊ उपाध्याय नगर मुख्य, कोटडा, बी.के. कौल नगर एवं पृथ्वीराज नगर योजना के 15 भूखण्डों की बिक्री से 16.89 करोड़ रूपए की कमाई की।

एडीए आयुक्त अक्षय गोदारा ने बताया कि पंचशील नगर आवासीय योजना में प्रारम्भिक बोली 48 हजार प्रति वर्गमीटर के विरूद्ध 74 हजार 500, 45 हजार के विरुद्ध 63 हजार 950 तक की अंतिम बोली प्राप्त हुई। प्राधिकरण को तीन दिनों में 26.92 करोड़ रूपए की आय प्राप्त हुई।




## नागौर की दीवारें पेंटिंग से निखरी

**नागौर, (नि.सं.)।** नागौर की बीआर मिर्धा कॉलेज एवं अन्य स्कूल, कॉलेज के उत्साही युवा इन दोनों जिला मुख्यालय की दीवारों को संवार रहे हैं। इस काम में लगे इन युवक-युवतियों को जिला प्रशासन भी प्रोत्साहित कर रहा है। जिला मुख्यालय पर इन दिनों रेलवे स्टेशन से निकास दरवाजा और कलक्ट्रेट चौराहा से मानासर चौराहा तथा मिर्धा कॉलेज तक पेंटिंग हो रही है। कॉलेज के युवा दीवारों को पेंटिंग से सजा रहे हैं। जिला प्रशासन के सहयोग से पेंटिंग में लगे युवक युवतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

# वार्षिक समारोह आयोजित

**अजमेर, (कासं)।** राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य महेन्द्र सिंह रलावता ने कहा कि चरित्र निर्माण विद्यार्थियों का सर्वश्रेष्ठ ध्येय होना चाहिए ताकि वह राष्ट्रीय भावना के साथ अपने भविष्य का निर्माण कर सके।

रलावता बुधवार को अजमेर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाथीखेडा, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बोराज तथा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय वैशाली नगर में आयोजित वार्षिक समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह के स्कूलो के प्राचार्य सुनिता शर्मा ( हाथीखेडा स्कूल), शिव सुमन चौहान (बोराज स्कूल) एवं विजय लक्ष्मी यादव (वैशाली नगर स्कूल) ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए अतिथियो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान रलावता ने प्रतिभाशाली छात्रो को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पार्षद गजेन्द्र सिंह रलावता, सरपंच लाल सिंह रावत, मांगी लाल रावत, छोटी सिंह रावत, वचन सिंह रावत, कजू सिंह बोराज, पीयूष सुराणा आदि मौजूद रहे।

वहीं अजमेर शहर के वार्ड नम्बर 66, दाता नगर स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास से मनाया।

मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद गणेश चौहान, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी डॉ . एसडी मिश्रा, सोहनवीर सिंह, प्रधानाचार्य जवार उ . मा . विद्यालय, अम्बिका हेडा, सुषमा खण्डेलवाल, सुमन भाटी, सुआ लाल, डॉ. सौरभ कंवर राजावत, एस एम सी अध्यक्ष महावीर सिंह आदि का प्रधानाध्यापिका आभा व स्टाफ ने अतिथियों का माला व पुष्प भेट कर स्वागत किया।

## साधु ने व्यापारी को बातों में उलझाकर लूटा

**भीलवाड़ा, (नि.सं.)।** जिले के शाहपुरा में एक अज्ञात साधु ने एक व्यापारी को गुमराह कर उसके हाथ में पहनी सोने की कीमती अंगूठी लूट ली।

कुंडगेट इलाके में स्थित एक हार्डवेयर की दुकान पर व्यापारी शुभम काबरा से अज्ञात साधु ने भिक्षा की मांग की जिसके बाद व्यापारी ने साधु को 10 का नोट दिया साधु ने अपनी बातों में उलझा कर व्यापारी के हाथ में पहनी 9 ठाम सोने की करीब 50000 कीमत की अंगूठी उतरवा दी और अपने मुंह में डाल दी इसके बाद व्यापारी ने इसका विरोध किया और उसका फोटो अपने मोबाइल में खींच लिया और पुलिस को बुलाने की बात कही जिस पर साधु ने डरकर अंगूठी वापस दे दी। लेकिन कुछ देर बाद ही व्यापारी के पास रखी अंगूठी को साधु ने फिर से उसको अपनी बातों में उलझाकर उसे अपने वश में करके वापस ले ली और वहां से फरार हो गया। व्यापारी ने पूरे कस्बे में साधु की तलाश की लेकिन वो कहीं नहीं मिला। व्यापारी शुभम काबरा ने अपनी पत्नी के साथ शाहपुरा थाने में पंहुचकर इस संबंध में एक रिपोर्ट दी है। अज्ञात साधु दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे व व्यापारी के मोबाइल कैमरे में कैद हो गया है।

## छेड़छाड़ व रेप के केस दर्ज

**भीलवाड़ा, (नि.सं.)।** शहर के पुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ एक व्यक्ति के द्वारा अश्लील हरकतें कर छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। वहीं आरोपित की पत्नी ने इस नाबालिग पीड़िता के भाई पर दबाव बनाकर रेप करने के आरोप लगाये है। पुर थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर क्रॉस केस दर्ज कर लिये।

पुर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि 17 साल की एक नाबालिग लड़की ने रिपोर्ट दी कि आरोपित 6-7 माह पहले उसके घर आया। उसके साथ अश्लील हरकतें की। उसे बूरा लगा तो वह भागकर रसोई में चली गई। इसके बाद आरोपित उसके साथ रास्ते में भी छेड़छाड़ करता। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपित ने उसे जातिगत अपमानित भी किया। वहीं नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपित की पत्नी ने भी पुर थाने में केस दर्ज करवाया।




## रानी सती के मेहंदी लगाई

**मदनगंज-किशनगढ़, (निस)।** दादी न्यास परिवार की ओर से मयूरा सिटी स्थिति दादी धाम मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत भजन गायक आयुष त्रिपाठी मुंबई व अर्पणा अग्रवाल पूना द्वारा रानी सती को मेहंदी लगाकर सुमधुर भजनों की प्रस्तुती दी गई।

अपार जनसमूह की मौजूदगी में भजन गायक आयुष ने मेरी दादी मेरे घर आई, सब मिल बाटो बधाई, मैया तेरे चरणों की यह रज सहित कई भजन प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। पूना से आई अर्पणा ने मेहंदी रची थारा हाथों में, हल्दी लगाओ रे मैया के हल्दी लगाओ आदि भजन गाकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पांडाल में मौजूद सुहागनों ने सामूहिक रूप से रानी सती दादी के हाथों व पैरों में मेहंदी लगाई।

इस मौके पर पवन गोयल ब्यावर वाले, सी ए मालचंद अग्रवाल, पवन अग्रवाल गोंद वाले, प्रो. एस के बंसल, विष्णु बंसल पिंगलोद, सर्वेश्वर बंसल पिंगलोद, न्यास सदस्य सहित अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा, जयपुर, कोलकत्ता से आये भक्त उपस्थित रहे। अध्यक्ष आनंदीलाल भरतिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। मंच संचालन राजेन्द्र अग्रवाल जावला ने किया। अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया। 26 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा महामहोत्सव पर दोपहर 1 बजे से दादी का मंगल पाठ कुंदन मिश्रा मुम्बई द्वारा किया जायेगा।

## जहाजपुर कॉलेज में छात्र संघ कार्यालय का उद्घाटन

**भीलवाड़ा, (नि.सं.)।** जिले के जहाजपुर में राजकीय महाविद्यालय में प्रथम बार हुए छात्रसंघ चुनाव मे विजय छात्रसंघ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सचिव का महाविद्यालय परिसर मे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यमंत्री धीरज गुर्जर ने शिरकत की। वहीं इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

वहीं राज्य मंत्री गुर्जर ने महाविद्यालय के अध्यक्ष लोकेश मीणा उपाध्यक्ष मोनिका सचिव राजाराम गुर्जर को शपथ दिलाकर पदभार ग्रहण करवाया। गुर्जर ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि प्रथम बार हुए चुनाव में जो भी एनएसयूआई से पदाधिकारी बने हैं वह छात्र व छात्राओं के हितों में कार्य करें और महाविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्र छात्राओं को अपने परिवार के जैसा मान कर एक दूसरे का साथ दें। राज्य मंत्री ने छात्रसंघ कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। जहाजपुर महाविद्यालय की प्राचार्य शिखा जगवाल ने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि महाविद्यालय के लिए राजस्थान सरकार द्वारा नए कॉलेज के लिए 6 करोड रुपए स्वीकृत किए गए हैं। विद्या संबल योजना के तहत जो भी शिक्षकों की नियुक्ति की उस से कॉलेज में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से शुरू हुआ। महाविद्यालय 2018-19 में जहाजपुर क्षेत्र में खुला। महाविद्यालय में बहुत सारी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। महाविद्यालय के पास अभी सीमित संसाधन व बिल्डिंग नहीं होने के उपरांत भी निरंतर कक्षाएं चल रही है, लगभग साड 550 छात्र-छात्राएं नियमित अध्ययन कर रहे हैं। महाविद्यालय भी सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा आवंटित 7 कमरों में चल रहा है। महाविद्यालय का नवनिर्माण प्रगति पर है, जैसे ही महाविद्यालय का नवीन भवन निर्माण पूर्ण होते ही अपने स्वयं के भवन में स्थापित होगा। ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, सरपंच देवराज गुर्जर, पंडेर सरपंच ममता मुकेश जाट, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय गुर्जर, पार्षद नजीर मोहम्मद सरवड़ी, पार्षद जानू पठान, पार्षद सिराज मोहम्मद, पार्षद परवेज खान, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष लतीफ मोहम्मद, व्यापार मंडल अध्यक्ष ज्वाला प्रसाद अग्रवाल महावीर मालू, संत कुमार शर्मा, पार्षद अनिल उपाध्याय, बाबूलाल खटीक आदि मौजूद रहे।

## तीर्थ यात्रियों की ट्रेन रवाना

**अजमेर, (कासं)।** राजस्थान सरकार देवस्थान विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2022 के अन्तर्गत बुधवार को अजमेर से रामेश्वरम की पहली विशेष ट्रेन अजमेर रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम के लिए रवाना हुई। इस ट्रेन में अजमेर संभाग से कुल 700 ( अजमेर जिले के 400 एवं भीलवाड़ा जिले के 300) यात्रियों को रामेश्वरम - मदुरई की यात्रा के लिए भेजा गया।

देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गिरीश कुमार बचानी ने बताया कि अजमेर रेलवे स्टेशन से अजमेर जिले के 400 वरिष्ठजन रामेश्वरम यात्र के लिए इस ट्रेन के द्वारा भेजे गये। राज्य सरकार की इस योजना का संचालन देवस्थान विभाग द्वारा आईआरसीटीसी के माध्यम से किया जाता है। यह यात्रा सात दिवसीय यात्रा है।





### कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

Tel No. 01462-285665 Email Add. npbeawar@gmail.com

क्रमांक/नजूल/22-23/खांचा भूमि आपत्ति आमंत्रण सूचना/PSKG/11469 दिनांक- 24.1.2023

**आपत्ति आमंत्रण सूचना**

श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री मुरलीधर सिंधी निवासी ब्यावर ने नगर परिषद ब्यावर मे वाणिज्यिक भूखण्ड संख्या 20 श्रद्धानंद बाजार ब्यावर से लगती हुई खांचा भूमि क्षेत्रफल 15'-9'×5'-0''×1/9 =8.75 वर्गगज कय करने हेतु आवेदन किया है, जिसकी सीमाए निम्नानुसार है-

पूर्व में - दुकान रूपचन्द महादेवमल की पश्चिम में - प्रिति प्लाजा
उत्तर में - आम सड़क श्रद्धानंद बाजार दक्षिण में - आवेदक की भूमि

अतः इस खांचा भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस के भीतर-भीतर नगर परिषद, ब्यावर में प्रस्तुत करे। तत्पश्चात् कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी सूचित रहे। आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

### कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.2481 दिनांक: 23-01-2023

**आपत्ति सूचना**

श्रीमती रश्मि चौधरी पत्नी श्री सुबे सिंह चौधरी निवासी छोटा सिलावट मौहल्ला अजमेर द्वारा एक सम्पति भूखण्ड/सम्पति संख्या 05 जो सम्पति ए.एम.सी. नं. 299 बी/45 का एक भाग है जो खसरा नं. 1263 का भाग है जो वाकै थोक तेलियान पंचौली चौराहा पुष्कर रोड, अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 42.97 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व - रास्ता आम पुष्कर रोड पश्चिम - प्राईवेट सम्पत्ति
उत्तर - शेष भाग भूखण्ड संख्या 06 दक्षिण - शेष भाग भूखण्ड संख्या 04

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

### कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.2478 दिनांक: 23-01-2023

**आपत्ति सूचना**

श्री राम भाउ पुत्र श्री गोविन्द राव निवासी गुरूनानक स्कूल रोड स्वपनिक जनरल स्टोर के पास गोविन्द पुरम जी ब्लॉक अजमेर द्वारा एक भूखण्ड/सम्पति संख्या 45 का भाग सी जो खसरा नम्बर 2321 का एक भाग है जो वाकै माकड़वाली गॉव रोड थोक तेलियान अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 83.64 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व - 30 फुट चौड़ा रोड गोमा का हट्टा पश्चिम - अन्य भूखण्ड
उत्तर - भूखण्ड संख्या डी दक्षिण - भूखण्ड संख्या बी

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

### कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.2480 दिनांक: 23-01-2023

**आपत्ति सूचना**

श्रीमती रश्मि चौधरी पत्नी श्री सुबे सिंह चौधरी निवासी छोटा सिलावट मौहल्ला अजमेर द्वारा एक सम्पति भूखण्ड/सम्पति संख्या 04 जो सम्पति ए.एम.सी. नं. 299 बी/45 का एक भाग है जो खसरा नं. 1263 का भाग है जो वाकै थोक तेलियान पंचौली चौराहा पुष्कर रोड, अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 43.04 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व - रास्ता आम पुष्कर रोड पश्चिम - प्राईवेट सम्पत्ति
उत्तर - शेष भाग भूखण्ड संख्या 05 दक्षिण - शेष भाग भूखण्ड संख्या 03

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

### कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.2479 दिनांक: 23-01-2023

**आपत्ति सूचना**

श्री राम भाउ पुत्र श्री गोविन्द राव निवासी गुरूनानक स्कूल रोड स्वपनिक जनरल स्टोर के पास गोविन्द पुरम जी ब्लॉक अजमेर द्वारा एक भूखण्ड/सम्पति संख्या 45 का भाग ई जो खसरा नम्बर 2321 का एक भाग है जो वाकै माकड़वाली गॉव रोड थोक तेलियान अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 83.64 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व - 30 फुट चौड़ा रोड गोमा का हट्टा पश्चिम - अन्य भूखण्ड
उत्तर - अन्य दक्षिण - भूखण्ड संख्या डी

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

### कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.2486 दिनांक: 24-1-23

**आपत्ति सूचना**

श्रीमति बबीता जैन पत्नी स्व. श्री नरेन्द्र कुमार जैन निवासी 390/30 हाथीभाटा कचहरी रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पति भूखण्ड / सम्पति संख्या सी - 1 ( सी-एक ) जो खसरा नं. 2251 का भाग है जो वाकै अभियन्ता नगर के समीप चौरसियावास रोड अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 250.83 व. मी. हैं भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं । प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानसार हैं।

पूर्व - भूखण्ड संख्या सी-2 पश्चिम - 60 फुट चौड़ी सड़क
उत्तर - 20 फुट चौड़ी सड़क दक्षिण - भूखण्ड श्री सोलोमन

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

### कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ./22-23/एम.बी.2488 दिनांक: 25-1-23

**संशोधित आपत्ति सूचना**

श्री जितेन्द्र चेलारामानी पुत्र श्री वाशदेव चेलारामानी निवासी 75 हरिभाउ उपाध्याय नगर मुख्य कोटड़ा अजमेर एवं श्री इन्दर पारवानी पुत्र श्री हरीश पारवानी निवासी 24 अभियन्ता नगर चौरसियावास रोड वैशाली नगर अजमेर द्वारा एक सम्पति भूखण्ड/सम्पति जिसका ए.एम.सी. नं. 234/4 = 21/9 22/15 नया नं. 69/18 अंकित है जो वाकै मिट्ठनलाल का चौक पुरानी मंडी अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 94.50 व.मी. है भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व - श्री अनिल कुमार अग्रवाल की सम्पत्ति पश्चिम - पैसेज/गली आम
उत्तर - श्री अनिल कुमार अग्रवाल की सम्पत्ति दक्षिण - रास्ता आम

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोट पूर्व में जारी पत्रांक ननिअ / एम.बी./2485 दिनांक 24.01.23 में जारी आपत्ति सूचना में भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 209.10 व.मी. त्रुटि से अंकन हो गया था, भूखण्ड को कुल क्षेत्रफल 94.50 व.मी. है। अतः भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 94.50 वर्गमीटर अंकित करते हुये पुनः संशोधित आपत्ति सूचना प्रकाशित किये जाने बाबत। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

### कार्यालय वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुचेरा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की अनुपयोगी/नकारा सामान पुस्तक मूल्य राशि रू. 187742/- जहां जैसी स्थिति में है कि नीलामी कार्यालय परिसर में दिनांक 06.02.2023 को दोपहर 3.00 बजे उपस्थित कमेटी के समक्ष की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय को नीलामी स्थल पर निर्धारित धरोहर राशि रू. 500/- जमा करवाकर नीलामी कार्यवाही में भाग ले सकता है। नीलामी की शर्तों व जानकारी के लिए कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

प्रभारी एवं चिकित्सा अधिकारी, सीएचसी कुचेरा

### अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक : अविप्रा / प.3/ भू.उ.परि. / 2023/ 251/3016 दिनांक : 25.01.2023

**सार्वजनिक सूचना**

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार की अधिसूचना क्रमांक प. 11(8) नविवि/2020 दिनांक 24.02.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अंतर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से सामान्य व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है :-

| क्र. सं. | नाम आवेदक | योजना का नाम | प्लॉट नं. | कुल क्षेत्रफल | जोनल डवलपमेंट प्लान 2033 (जोन-2) के अनुसार भू-उपयोग | स्वीकृत भू-उपयोग | चाहा गया भू-उपयोग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | श्री हासम खान पुत्र श्री रहमान खान | राजस्व ग्राम चौरसियावास | खसरा संख्या-1736 से 1740,1788, 1760,1769 से 1771,1754 से 1757 भूखण्ड संख्या-01 | 476.25 वर्ग गज | मिश्रित | आवासीय | सामान्य व्यवसायिक |

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने पर किसी संस्था / व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपत्ति कारण / विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपत्ति या सुझाव पर विचार नही किया जायेगा। सदस्य सचिव (भू-उपयोग परिवर्तन समिति), अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

### कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक: 2392 **जाहिर आम सूचना** दिनांक: 25.01.2023

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 10/23 वैशाली नगर अजमेर योजना में श्री रामनारायण मीणा पुत्र श्री बिरदी चन्द मीणा को आवंटित कर दिनांक 26.11.1988 को मकान का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री रामनारायण मीणा पुत्र श्री बिरदी चन्द मीणा द्वारा दि. 23.03.1993 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया हैं। श्री रामनारायण मीणा पुत्र श्री बिरदी चन्द मीणा ने श्री रघुनन्दन उपाध्याय पुत्र श्री भागचन्द उपाध्याय को मुख्तयारनाम आम नियुक्त किया गया। श्री रघुनन्दन उपाध्याय पुत्र श्री भागचन्द उपाध्याय ने आवास का बैचान श्रीमती हेमलता जोधानी पत्नि श्री चन्दर जोधानी को कर दिया गया था। श्रीमती हेमलता जोधानी पत्नि श्री चन्दर जोधानी ने पुनः आवास का बैचान श्री अशोक कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल, सुश्री मीरा पुत्री श्री कन्हैया लाल एवम् श्रीमती मोहिनी पत्नि श्री कन्हैयालाल को दिनांक 12.10.2000 को कर दिया गया था। श्री अशोक कुमार, सुश्री मीरा एवम् श्रीमती मोहिनी के पक्ष में मण्डल द्वारा परस्पर विक्रय के पश्चात् नामान्तरण के कार्यालय आदेश दिनांक 27.11.2018 को जारी किये गये। सुश्री मीरा कारवानी की मृत्यु दिनांक 14.07.2019 एवं श्रीमती मोहिनी कारवानी की मृत्यु दिनांक 21.03.2019 को हो जाने के कारण श्रीमती मोहिनी कारवानी के पुत्र एवम् सुश्री मीरा कारवानी के भाई श्री विजय कुमार पुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। श्री विजय कुमार पुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल के पक्ष में श्रीमती नानकी लालवानी पत्नी श्री हुकुम लालवानी एवम् विद्या कारवानी पुत्री स्व. श्री कन्हैयालाल द्वारा हक त्याग पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। श्री अशोक कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल द्वारा भी अपनी सहमति हेतु घोषणा पत्र भी कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया गया हैं। इस आधार पर श्री विजय कुमार पुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल द्वारा उक्त आवास में श्री अशोक कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल के साथ स्वंय का नाम भी जोड़े जाने हेतु कार्यालय में आवेदन किया गया हैं। श्री विजय कुमार पुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर श्री अशोक कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल के साथ स्वयं का नाम भी जोड़े जाने हेतु कार्यालय में आवेदन किया गया हैं। श्री अशोक कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल के साथ श्री विजय कुमार पुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन हैं। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

मैं देश के माननीय प्रधानमंत्री जी से निवेदन करती हूं हमारे देश की सभी बहन-बेटियां आपकी तरफ बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है अगर हम सब बहन-बेटियों को न्याय नहीं मिला तो यह देश के इतिहास के लिए बडा दुर्भाग्य होगा। - गीता फोगाट

कुश्ती पहलवान, प्रधानमंत्री से अपील करते हुए।

# खेल जगत

## आज का खिलाड़ी

### शैफाली वर्मा

भारतीय अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप टीम की कप्तान शैफाली वर्मा ने कहा है कि वह क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को खेलता देखकर बड़ी हुई है और वह भी मेरे आदर्श है। शैफाली ने स्टार स्पोर्ट्स से एक विशेष बातचीत में यह बात कही। उन्होंने अपने आदर्श और अंडर-19 विश्व कप खेलने में टीम इंडिया की ताकत के संदर्भ में विचार व्यक्त किये। शैफाली ने कहा, मुझे लगता है कि आजकल मुझे लिविंगस्टोन की बल्लेबाजी पसंद है क्योंकि वह बहुत अच्छा हिट कर रहा है, और निश्चित रूप से मैं सचिन तेंदुलकर सर खेलते हुए देखकर बड़ी हुई हूं।

**क्या आप जानते हैं ?...** ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीड वुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 87 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन है।

# सूर्यकुमार बने साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर

दुबई, 25 जनवरी। भारत के 360 डिठाी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से साल 2022 के सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर का पुरस्कार हासिल किया है। आईसीसी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। सूर्यकुमार ने 2022 में अपनी अतरंगी बल्लेबाजी से सभी को मंत्रमुग्ध किया और खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कई कीर्तिमान रचे। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गये। उन्होंने यह उपलब्धि 187.43 के विस्फोटक स्ट्राइक-रेट से 1164 रन बनाकर हासिल की और वह पिछले साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप 2022 के दौरान भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और टूर्नामेंट की छह पारियों में तीन अर्धशतक जड़े। उन्होंने लगभग 60 की औसत से रन बनाये और यहां भी उनका स्ट्राइक-रेट 189.68 रहा। सूर्यकुमार ने



अपने टी20 करियर के यादगार साल में कुल 68 छक्के जड़े। इससे पहले एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के मारने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान के पास था, जिन्होंने 2021 में सिर्फ 42 छक्के जड़े थे। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार हासिल करने के बाद कहा, ''मुझे साल का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर चुनने के लिये आईसीसी का शुक्रिया। यह एक बेहतरीन एहसास है। मेरे लिये 2022 शानदार रहा। निजी तौर पर कहूं तो मैंने अपनी कुछ पारियों का काफी आनंद लिया।''

सूर्यकुमार ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के पर्दे पर आते ही छा जाने वाले सूर्यकुमार ने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी इंग्लैंड के खिलाफ ही जड़ा था। भारत ने जुलाई 2022 में नॉटिंघम में खेले गये मुकाबले में 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। सूर्यकुमार ने इसके बाद अकेले लड़ते हुए 55 गेंदों पर 117 रन की शानदार पारी खेली, हालांकि अंत में यह मुकाबला 17 रन से इंग्लैंड के पक्ष में गया था।

## आईएचएफ को देश में हैंडबॉल के विकास की जानकारी देगा भारत

लखनऊ, 25 जनवरी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष ए जगनमोहन राव और कार्यकारी निदेशक आनन्देश्वर पाण्डेय आगामी 30 जनवरी को इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ हसन मुस्तफा से मुलाकात कर उन्हें भारत में हैंडबाल की विकास प्रगति की जानकारी देंगे।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव तेजराज सिंह ने बुधवार को बताया कि आईएचएफ पुरुष विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप 27 से 29 जनवरी के बीच मध्य स्वीडन में आयोजित होगी, जिसका फाइनल मैच देखने के बाद राव और पाण्डेय 30 जनवरी को हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के प्रतिनिधि के तौर पर आईएचएफ के अध्यक्ष डॉ हसन मुस्तफा और जनरल डायरेक्टर अमल खलीफा से मिलेंगे। इस दौरान भारत में हैंडबॉल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इसके साथ ही ये दोनों भारत में हैंडबॉल को लोकप्रिय बनाने के लिए और भारत में होने वाली प्रीमियर हैंडबॉल लीग के बारे में प्रेजेंटेशन देंगे। उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट के आधार पर इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन भारत में हैंडबॉल के प्रसार को नए आयाम देने के लिए प्रशिक्षकों और रेफरी की कार्यशाला तथा हैंडबॉल उपकरण प्रदान कर मदद भी करेगा।

# सिराज बने दुनिया के नं. 1 गेंदबाज

### रैंकिंग में बोल्ट और हेजलवुड को पछाड़ा, बैटिंग रैंकिंग में विराट से आगे गिल

नई दिल्ली, 25 जनवरी। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए दो दिन में दूसरी बड़ी खुशखबरी सामने आई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप कर टीम इंडिया मंगलवार को दुनिया की नंबर-1 वनडे टीम बनी थी। आज भारत के मोहम्मद सिराज दुनिया के नंबर-1 वनडे गेंदबाज बन गए हैं। बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में सिराज 729 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड (727 पॉइंट्स) दूसरे स्थान पर और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट (708 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं।

बल्लेबाजी में जोरदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल अब वनडे में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। पिछले चार वनडे में तीन शतक जमाने वाले गिल अब 734 पॉइंट्स के साथ छठे स्थान पर हैं। उन्होंने 20 स्थान की छलांग लगाई है। वहीं विराट कोहली 727 पॉइंट्स के साथ सातवें और कप्तान रोहित शर्मा 719 पॉइंट्स के साथ नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 887 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में शुभमन गिल



ने बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 180 की औसत से 360 रन बनाए। वे सीरीज में भारत के टॉप स्कोरर के साथ ही ओवर ऑल भी सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

गिल ने अपनी पारी में 2 सेंचुरी भी जड़ी। वहीं मोहम्मद सिराज ने 2 मैचों में 3.50 की इकोनॉमी रेट से 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की 2022 में वनडे टीम ऑफ द ईयर में जगह दी गई है। इस टीम में उनके अलावा मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर को भी शामिल किया गया है। ने मंगलवार को टीम की घोषणा की थी। मेंस टीम में दो और विमेंस टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है।

मोहम्मद सिराज अब तक 21 वनडे मैच खेल चुके हैं और उन्होंने 38 विकेट लिए हैं। सिराज को अपना पहला वनडे खेलने के तीन साल बाद दूसरा वनडे खेलने का मौका मिला था। सिराज ने 15 जनवरी 2019 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड मैच से वनडे में डेब्यू किया था। इस मैच में सिराज को विकेट नहीं मिले। उसके बाद उन्हें दूसरे वनडे मैच खेलने का मौका 6 फरवरी 2022 को मिला।

बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल के अलावा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी 2 स्थानों का फायदा मिला है। वह 11वें से 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित, शुभमन गिल के बाद भारत के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 3 मैचों में 62 की औसत से 186 रन बनाए। रोहित ने अपनी पारी में एक सेंचुरी और एक हाफ सेंचुरी जड़ी।

# आईपीएल-2023 एक अप्रैल से हो सकता है शुरू

मुंबई, 25 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग के 2023 संस्करण का आगाज 31 मार्च या एक अप्रैल से हो सकता है जबकि फाइनल 28 मई को खेला जा सकता है। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने बतायाा कि अगले महीने 10 से 26 फरवरी के बीच दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले महिला टी-20 विश्वकप के बाद वुमेंस प्रीमियर लीग का पहला संस्करण चार मार्च से 24 मार्च के बीच आयोजित किया जा सकता है। आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के बीच एक सप्ताह का अंतर दिया जा सकता है ताकि मैदानों को नये सिरे से सजाया-संवारा जा सके।

बीसीसीआई डब्ल्यूपीएल को शानदार तरीके से आयोजित कराने की तैयारी में है। बोर्ड ने बुधवार को यहां एक नीलामी में डब्ल्यूपीएल की पांच टीमों के मालिकाना अधिकार बेच दिये, जिसमें मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के अलावा अडाणी समूह और कैपरी होल्डिंग्स ने बाजी मारी।

आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल ने बुधवार की नीलामी के बाद कहा, टूर्नामेंट के लिए कार्यक्रम के साथ-साथ कितने मैदानों का उपयोग किया जाएगा, इस पर जल्द फैसला करेंगे। डब्ल्यूपीएल एक शहर में कराया जाये या एक से अधिक शहरों में, इस पर विचार किया जायेगा। इन तमाम पहलुओं पर अगले कुछ दिनों में विचार विमर्श के बाद निर्णय लिया जायेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि डब्ल्यूपीएल के लिये खिलाड़ियों की नीलामी संभवत: फरवरी के पहले सप्ताह में होगी। टीम के मालिकों के पास अपनी टीम बनाने के लिये 12 करोड़ रूपये का नीलामी पर्स होगा।

## विमेंस प्रीमियर लीग की टीमों की नीलामी

# पांच टीमों की बिक्री 4670 करोड़ रुपये में हुई

### दिल्ली मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ की टीमें खेलेंगी

नई दिल्ली, 25 जनवरी। विमेंस प्रीमियर लीग की 5 टीमों की नीलामी हो गई है। बुधवार को बोर्ड ने नीलामी में सफलता हासिल करने वाली कंपनियों के नाम की घोषणा की। इस नीलामी से बोर्ड को कुल 4669.99 करोड़ रुपए की रकम मिलेगी। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा। अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस प्रीमियर लीग में शिरकत करेंगी। का पहला सीजन इस साल मार्च में होना है। फरवरी में खिलाड़ियों की नीलामी होगी।

15 साल पहले 2008 में ने पुरुष के लिए 8 टीमों की नीलामी की थी। इससे बोर्ड को तब 72.35 करोड़ डॉलर मिले थे। अगर डॉलर के मौजूदा भाव के हिसाब से कैलकुलेट करें तो आंकड़ा 5,907 करोड़ रुपए का आता है। 2008 में 1 डॉलर करीब 40 रुपए का था। उस हिसाब बोर्ड को पुरुष फ्रेंचाइजीज की नीलामी से करीब 2900 करोड़ रुपए ही मिले थे। यानी हर टीम के लिए 362.5 करोड़ रुपए। वहीं, के लिए बोर्ड को 4670 करोड़ रुपए मिले हैं। यानी 1 टीम की कीमत 934 करोड़ रुपए है।

टीम खरीदने के लिए 17 कंपनियां मैदान पर उतरीं। हालांकि 30 से ज्यादा कंपनियों ने इसके लिए टेंडर खरीदे थे। टीमें खरीदने के लिए पुरुष की 7 टीमों मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने रुचि दिखाई। साथ ही देश के बड़े औद्योगिक घराने अडाणी ग्रुप, कैप्री ग्लोबल, हल्दीराम ग्रुप, टोरेंट फार्मा, अपोलो पाइप्स, अमृतलीला इंटरप्राइजेज, श्रीराम ग्रुप और स्लिंगशॉट 369 वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड भी आगे आए।

बोर्ड ने कुछ दिनों पहले विमेंस प्रीमियर लीग के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80 हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60 और उसके बाद 50 हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लाइसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पॉन्सर्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा। इस साल मार्च में होगा पहला सीजन का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष के लिए तैयार किया जाएगा। एक टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने आने के बाद ऑक्शन होगा।

## एंडी मरे को था ऑस्टियो आर्थराइटिस

### डॉक्टर ने कहा- टेनिस नहीं खेल पाएंगे, अब करियर का सबसे लंबा मैच खेला

नई दिल्ली, 25 जनवरी। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलियन ओपन में एंडी मरे से एक डॉक्टर मिले, जिसे उन्होंने तब देखा था जब वह ऑस्टियो आर्थराइटिस बीमारी से परेशान थे, यानी 2017 में। टेनिस स्टार मरे ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि 2017 में डॉक्टर ने उनसे कहा था कि उनकी बीमारी ठीक हो सकती है, लेकिन इसके बाद वे फिर से पेशेवर खेल में लौट नहीं पाएंगे। मरे ने कहा कि उन्होंने पिछले 5 दिनों में इस बात को गलत साबित कर दिया है।गुरुवार को तीन बार के ठौंड स्लैम चैम्पियन मरे ने अपने करियर का सबसे लंबा मैच खेला, जो 5 घंटे 45 मिनट तक चला। ऑस्ट्रेलिया के कोकिनाकिस से शुरुआती दो सेट में हारने के बाद लगातार 3 सेट जीतकर उन्होंने मैच अपने नाम किया था। इसके ठीक 60 घंटे बाद मरे स्पेन के रॉबर्ट बॉटिस्टा एगट के खिलाफ फिर से कोर्ट में उतरे। हालांकि, इस मैच में उन्हें हार मिली। मरे की बीमारी के इलाज के लिए उन्हें हिप रिसर्फेसिंग सर्जरी की जरूरत थी। ये सर्जरी शरीर के चलने के तरीके, लचीलेपन, गति और चाल को बदल देती है। टेनिस एक मुश्किल खेल है। इससे खिलाड़ी का वजन जोड़ों के जरिए पूरे शरीर में घूमता है और लगातार मूवमेंट के साथ ये हिप्स पर दबाव डालता है। इसकी वजह से मरे के हिप्स में कार्टिलेज को नुकसान पहुंचा और वे ऑस्टियोआर्थराइटिस का शिकार हो गए। इससे एक स्मूथ लाइनिंग की बजाय जोड़ कमजोर पड़ने लगते हैं, जिससे हड्डियां को नुकसान होने लगा।

# जोकोविच 22वें ग्रैंड स्लैम से दो कदम दूर

मेलबर्न 25 जनवरी। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 21 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच ने बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2023 के क्वार्टरफाइनल में आंद्रे रुबलेव को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

रॉड लेवर एरिना पर खेले गये एकतरफा मुकाबले में जोकोविच ने रुबलेव को 6-1, 6-2, 6-4 से हराया और अब वह सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले राफेल नडाल (22) की बराबरी करने से सिर्फ दो कदम दूर हैं। जोकोविच अपना 10वां ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब तलाश रहे हैं, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सबसे सफल खिलाड़ी रोजर फेडरर ने सिर्फ छह बार यह खिताब हासिल किया है।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि पहले दो सेटों में स्कोरलाइन मैच की वास्तविकता नहीं बताती। रुबलेव एक महान प्रतिद्वंदी और खिलाड़ी हैं। मेरे मन में उसके लिये बहुत सम्मान है। वह सबसे बड़े फोरहैंड्स में से एक है और टूर पर सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक है।

सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा जो क्वार्टरफाइनल में अपने हमवतन बेन शेल्टन को हराकर आ रहे हैं। पॉल ने रॉड लेवर एरिना पर खेले गये मैराथन क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन को 7-6, 6-3, 5-7, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इसी बीच, पोलैंड की मैग्डा लिनेट और बेलारूस की एरिना सबालेंका ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में एकतरफा जीत हासिल कर कदम रखा। लिनेट ने रॉड लेवर एरिना पर एक घंटे 27 मिनट चले महिला एकल मुकाबले में चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 7-5 से मात दी। विश्व नंबर 45 लिनेट ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

लिनेट ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ अभियान के बारे में कहा, मैं शायद अब भी विश्वास नहीं कर पा रही हूं। मैं इसे कभी नहीं भूल सकूंगी। यह अनुभव मेरे साथ जीवन भर रहेगा। मैं दर्शकों के समर्थन के लिए भी उनकी शुक्रगुजार हूं। दूसरी ओर, सबालेंका ने भी क्रोएशिया की डोना वेकिक को 6-3, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में कदम रखा। यह 24 वर्षीय सबालेंका का चौथा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। उन्हें अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष-4 में लिनेट का सामना करना होगा। उल्लेखनीय है कि सबालेंका ने 2023 में अपने सभी नौ मुकाबले जीते हैं और इस दौरान उन्होंने कोई सेट नहीं गंवाया है।

## जर्मनी ने इंग्लैंड से जीत छीनी

भुवनेश्वर, 25 जनवरी। दो बार की विश्व चैंपियन जर्मनी ने हार के मुंह से जीत छीनते हुए बुधवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड को 2-2 (शूटआउट 4-3) से मात दी। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने जैकरी वॉलेस (11वां) और लायम एंसेल (32वां मिनट) के गोलों की बदौलत 2-0 की बढ़त बना ली थी। मैच के 57वें मिनट तक इंग्लैंड ने यह बढ़त बरकरार रखी, लेकिन टॉम ग्रैम्बुश ने 57वें और 58वें मिनट में गोल करके मुकाबले को पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा दिया। शूटआउट में इंग्लैंड पांच में से तीन ही गोल कर सका, जबकि जर्मनी ने अपने शुरुआती चार प्रयासों पर गोल करके मुकाबला जीत लिया।

# डब्ल्यूपीएल से बीसीसीआई हुई मालामाल, शाह ने कहा ऐतिहासिक दिन

मुबंई, 25 जनवरी। मार्च में प्रस्तावित महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले संस्करण के लिये टीमों के नीलामी में पांच फ्रेंचाइजी से भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने चार हजार 669 करोड़ रुपये की कमाई की है।

डब्ल्यूपीएल के लिये अडाणी स्पोर्ट्सलाइन प्रा लिमिटेड अहमदाबाद ने 1289 करोड़ रुपये, इंडियाविन स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड मुंबई ने 912.99 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड बेंगलुरु ने 901 करोड़,जेएसडब्ल्यू जीएमआर क्रिकेट प्रा लिमिटेड दिल्ली ने 810 करोड़ और कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स प्रा. लिमिटेड लखनऊ ने 757 करोड़ रुपये की बोली लगायी है।

इस उपलब्धि से अभिभूत बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बुधवार को ट्वीट किया, क्रिकेट में आज का दिन ऐतिहासिक है। डब्लूपीएल के पहले संस्करण में ही टीमों के लिए लगाई गई बोली ने 2008 में पुरुषों के आईपीएल के उद्घाटन के रिकॉर्ड तोड़ दिए। विजेताओं को बधाई, क्योंकि हमने बोली में कुल 4669.99 करोड़ रुपये प्राप्त किए। यह महिला क्रिकेट में एक क्रांति की शुरुआत का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, यह न केवल हमारी महिला क्रिकेटरों के लिए, बल्कि पूरी खेल बिरादरी के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा का रास्ता है। डब्लूपीएल महिला क्रिकेट में आवश्यक सुधार लाएगा और एक सर्वव्यापी पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करेगा जो प्रत्येक हितधारक को लाभान्वित करे। चलिये महिला प्रीमियर लीग की यात्रा शुरू करते हैं।

गौरतलब है कि पांच टीमों के साथ महिला प्रीमियर लीग मार्च में मुबंई में खेली जायेगी। महिला प्रीमियर लीग में टीमों को खरीदने के लिए 33 पार्टियां मैदान में थीं। बीसीसीआई ने बुधवार को एक विज्ञिप्त जारी कर कहा, पांच फ्रेंचाइजी डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगी, बशर्ते बोली लगाने वाले बाद की औपचारिकताओं को पूरा करें।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, मैं डब्ल्यूपीएल टीमों के लिए सफल बोली लगाने के लिए विजेताओं को बधाई देता हूं। लीग भारत और विदेशों के खिलाड़ियों को एक साथ सीखने और बढ़ने का मौका देगी। यह अधिक महिला क्रिकेटरों को शामिल करने के साथ जमीनी स्तर पर विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैं नीलामी प्रक्रिया के सुचारू निष्पादन के लिए बीसीसीआई की टीम को भी बधाई देना चाहता हूं। मुझे विश्वास है कि लीग हमारी महिला क्रिकेटरों को वैश्विक मंच पर चमकने में मदद करेगी।

जय शाह ने कहा, मैं सभी पांच फ्रेंचाइजी का स्वागत करता हूं। 4669.99 करोड़ रुपये की सामूहिक बोली से पता चलता है कि हमारे हितधारक पूरी तरह से अवधारणा में विश्वास करते हैं और लीग के लिए बीसीसीआई के नजरिये से इत्तिफाक रखते हैं। लीग निश्चित रूप से महिला खिलाड़ियों की हौसलाफजाई करेगी और उनकी प्रतिभा को निखारने का मौका देगी। हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां महिला क्रिकेट का तेजी से विकास होना तय है। डब्ल्यूपीएल इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, यह समावेशिता के एक नए युग की शुरुआत है, जहां हमारी महिला क्रिकेटरों को डब्ल्यूपीएल के साथ वैश्विक स्तर पर विकसित होने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। महिला क्रिकेट में इस तरह के सकारात्मक बदलाव को देखकर मेरा दिल गर्व से भर गया है। यह वास्तव में महिला क्रिकेट के लिए एक मानक स्थापित करने जा रहा है। नए मालिकों को हार्दिक बधाई।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने कहा, मैं डब्ल्यूपीएल में सभी विजेताओं को बधाई और स्वागत करना चाहता हूं। महिला प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण में निवेश करने के लिए प्रतिभागियों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखना सम्मान और खुशी की बात है। यह महिला क्रिकेट के मूल्य का एक मजबूत वसीयतनामा है और इसके साथ ही महिला क्रिकेट के लिए आत्मनिर्भर संसाधनों का एक केंद्रीय पूल होगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा, मैं सभी बोलीदाताओं को महिला प्रीमियर लीग में दिखाए गए विश्वास के लिए बधाई और धन्यवाद देता हूं। 4669.99 करोड़ रुपये की कुल बोली महिला टूर्नामेंट के लिए एक रिकॉर्ड आंकड़ा है और आने वाले बदलाव का एक संकेतक है।

# अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

### ग्रुप पॉइंट्स टेबल के टॉप पर, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली, 25 जनवरी। भारत ने मंगलवार को विमेंस अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले एडिशन में सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। भारत अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड या इंग्लैंड से भिड़ेगा। भारत ग्रुप 1 में था। इसमें भारत के साथं ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और थे। फॉर्मेट के अनुसार हर टीम को ग्रुप में 4 मैच खेलने थे। सभी टीमों ने ग्रुप में काम से काम 1 मुकाबला हारा है। टेबल में बांग्लादेश और के अलावा सभी अपने ग्रुप के पूरे मैच खेल चुके हैं। भारत और फिलहाल 6 पॉइंट्स के साथ क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर हैं। अगर आज बांग्लादेश जीतता है तो उसके भी 6 पॉइंट्स हो जाएंगे।

अगर उसका बेहतर रनरेट हुआ तो भी वो ऑस्ट्रेलिया को बाहर करेगा न कि भारत को। ऐसा हो सकता है कि भारत पहले से दूसरे पायदान पर आ जाए। इस स्थिति में भी भारत का सेमीफाइनल खेलना तय है। मेजबान साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के पास जाकर भी उससे दूर हो गया। साउथ अफ्रीका के भी पॉइंट्स टेबल में 6 पॉइंट हैं, लेकिन उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना था। मैच में उसे 1 रन से जीत मिली।

ग्रुप 2 में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। ग्रुप में न्यूजीलैंड अपने सभी मैच जीत कर 8 अंक के साथ टॉप पर है। वहीं इंग्लैंड ने भी अब तक अपने सारे मैच जीते हैं। उसके 6 अंक हैं। इंग्लैंड का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज से है।

## ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सानिया-बोपन्ना की जोड़ी

### करियर का आखिरी ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेगी सानिया मिर्जा

नई दिल्ली, 25 जनवरी। आखिरी ठौंड स्लैम खेली रहीं भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्स्ड कैटेगरी के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मेलबर्न में बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले के तीसरे सेट से ब्रिटेन के नील स्कूपस्की और अमेरिकी की डेसिरै क्रॉक्जिक की जोड़ी हट गई। ऐसे में भारतीय जोड़ी को विजेता घोषित कर दिया गया। जब तीसरी सीड जोड़ी हटी तब मुकाबला एक-एक की बराबरी पर था। इस मैच का पहला सेट भारतीय जोड़ी ने 7-6 से जीता। उसके बाद ब्रिटिश-अमेरिकी जोड़ी ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। भारतीय खिलाड़ी आखिरी सेट के दस गेम जीत चुके थे। कॉम्प्टीटर के हिस्से 6 गेम की जीत आई थी।

# अमेरिका और जर्मनी 64 टैंक भेजेंगे यूक्रेन के लिए

## अमेरिका इसी सप्ताह 50 अब्राम टैंक व जर्मनी 14 लैपर्ड-2 टैंक देने की तैयारी कर रहे हैं

वाशिंगटन, 25 जनवरी (वार्ता)। अमेरिका यूक्रेन को 50 एम1 अब्राम्स टैंक भेजने की योजना बना रहा है और वह बुधवार को इस संबंध में घोषणा कर सकता है। वहीं जर्मनी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ते हुये 14 लैपर्ड-2 टैंक भेजने की घोषणा कर दी है। तुर्की की समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका युद्धग्रस्त देश यूक्रेन को मदद के रूप में इस सप्ताह अमेरिका एम1 अब्राम्स टैंकों को भेजने के फैसले की घोषणा कर सकता है। घोषणा कथित तौर पर जर्मनी के साथ एक व्यापक सौदे का हिस्सा होगी, जो यूक्रेन को अपने लेपर्ड 2 टैंकों की एक छोटी संख्या की आपूर्ति करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग 'पेंटागन' के प्रेस सचिव पैट राइडर ने बताया कि यूक्रेन ने रूस का सामना करने के लिए पश्चिमी देशों से कम से कम तीन सौ टैंक भेजने का अनुरोध किया है। अब्राम्स टैंक जटिल वाहन हैं जिन्हें उचित रखरखाव की आवश्यकता होती है।

राइडर ने हालांकि इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अब्राम्स टैंकों को चलाने के लिए क्या अमेरिका उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में एक विशेष सैन्य अभियान शुरू कर दिया था, जिसके बाद से पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के लिए अपना सैन्य समर्थन बढ़ा दिया है। मॉस्को ने नाटो सदस्य देशों को अप्रैल में एक नोट भेजा, जिसमें कीव को उनकी सैन्य सहायता की निंदा की गई थी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी कि यूक्रेनी क्षेत्र में हथियार की कोई भी खेप रूसी सेना के लिए "वैध लक्ष्य" होगी। जर्मनी ने बड़ी घोषणा की है। जर्मनी ने अपनी पिछली स्थिति से यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यूक्रेन में अपने 14 टैंक भेजने और दूसरों को ऐसा करने की अनुमति देने के लिए वह तैयार है।

## 'बदहाल पाकिस्तान की जनता की गुहार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी थोड़ा बढ़ी है, लेकिन उसकी यह आर्थिक वृद्धि कुछ ऐसी है जिसका कुछ हताश देशभक्त और वॉट्स ऐप पर बिना सोचे-समझे मैसेज भेजने वाले लोग ही उत्सव मना रहे हैं। पाकिस्तान की जी.डी.पी. करीब 350 बिलियन डॉलर है। आकार के हिसाब से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था के दसवें हिस्से के बराबर है। आर्थिक समानता का यदि पहले कभी कोई भ्रम था तो वह दूर होना शुरू हो गया है। भारत के आर्थिक विकास की कहानी अभी शुरू ही हुई है पिछले दो दशकों की भारत की आर्थिक प्रगति पाकिस्तान का संचालन करने वाले चतुर लोगों को भयभीत करने में सफल रही है, ये लोग अब दिखाई नहीं दे रहे हैं।

मॉर्गन स्टेनले की भविष्यवाणी है कि वर्ष 2030 तक या सात वर्ष से कम समय में भारत की जी.डी.पी. वर्तमान 3.18 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर करीब 8 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी। खुशी की यह ऐसी बात है जिसके लिए भविष्यवाणी के डेटा पर बार-बार गौर करने की जरूरत है। कुल वैश्विक निर्यातों में भारत का हिस्सा वर्तमान में 2.2 प्रतिशत है। मॉर्गन स्टेनले को उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक वैश्विक निर्यातों में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। भारत के खुदरा बाजार के इन अगले सात वर्षों में दोगुने से अधिक होकर 1.8 ट्रिलियन हो जाने की उम्मीद है।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जी.डी.पी. के प्रति व्यक्ति आंकड़े के 2 हजार 278 डॉलर प्रति वर्ष से बढ़ कर 5 हजार 242 डॉलर प्रति वर्ष हो जाने की उम्मीद है। भारतीय परिवार की वर्तमान में वार्षिक आय 35 हजार डॉलर है, इसके 5.6 प्रतिशत से बढ़ कर 25 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि प्रत्येक चार भारतीय परिवारों में से एक परिवार ग्लोबल मिडिल क्लास होम बन जाएगा। इसमें रहने वाले अधिकांश लोग उच्च शिक्षित होंगे जो उस परिवार के लिए धनार्जन करेंगे। उनमें से अधिकांश विलासिता की वस्तुओं के उपभोक्ता होंगे। पृथ्वी पर इण्डियन सैलीब्रिटीज को सर्वाधिक भुगतान किया जाएगा क्योंकि भारत के अपर मिडिल क्लास ही दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता होंगे। भारत गरीबों के देश से एक ऐसा देश बनने जा रहाहै कि वर्ष 2030 में पूरी अर्थव्यवस्था के समानांतर यहां पर बहुत से अमीर लोग होंगे। "भारतीय होने" को पवन वर्मा जैसे लेखकों ने एक बार परिभाषित किया था कि यह "अस्तित्व संबंधी विरोधाभास" से परिपूर्ण है।

अगले साल वर्षों या उसके बाद भारत की अर्थव्यवस्था इस खाई को पाट देगी। अधिक आय, अधिक सम्पन्नता और अधिक उपभोग "भारतीय होने" की उक्त धारणा में ठोस परिवर्तन लाएगा।

## 'सुप्रीम कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंधित हो। चिदम्बरम ने ट्वीट किया, "विधि मंत्री किरेन रिजीजू कोलीजियम पर हमला करते हुये यह क्यों कह रहे हैं कि उसने जज की नियुक्ति के लिये विचाराधीन तीन नामों से संबंधित आई.बी. एवं रॉ की रिपोर्ट उजागर कर दी?" चिदम्बरम ने आगे कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि केन्द्र ने कोलीजियम द्वारा आगे बढ़ाये गये नामों को पूरी तरह "स्वेच्छाचारिता" के आधार पर खारिज कर दिया।

# पुतिन की अमेरिका को धमकी

■ पुतिन ने कहा, अमेरिका के सभी टैंक रूस तबाह कर देगा।

मॉस्को, 25 जनवरी। रूस और यूक्रेन के युद्ध को अब एक साल होने जा रहा है, इसके बाद भी यह लड़ाई थमने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन एक नई रणनीति के साथ यह युद्ध फिर शुरू हो जाता है। एक तरफ रूस है तो दूसरी तरफ यूक्रेन और नाटो देश। रूस, यूक्रेन पर कब्जा करना चाहता है तो वहीं यूक्रेन जितने भी नाटो देश हैं उनके सहारे पूतिन की हर चाल को मात देने में जुटा है। नाटो देशों ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को सैन्य सहायता बढ़ा दी है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन समेत कई देशों ने यूक्रेन को आधुनिक हथियार देने का ऐलान किया है। इसमें अमेरिका का अब्राम्स टैंक, ब्रिटेन का चैलेंजर-2 टैंक और जर्मनी का लेपर्ड टैंक भी शामिल है।

वहीं, रूस ने धमकी दी है कि वह नाटो के किसी भी हथियार की तरह इन देशों के टैंकों को आसानी से नष्ट कर देगा। इस बीच पश्चिमी सैन्य विशेषज्ञों ने कहा है कि यूक्रेन को मिल रहे इन घातक हथियारों का रूसी सेना पर घातक असर हो सकता है। रूसी सेना पूर्वी यूक्रेन में पहले से ही पीछे हट रही है। ऐसे में यूक्रेन की सेना अत्याधुनिक टैंकों, मिसाइलों, रॉकेटों, बख्तरबंद वाहनों की मदद से जबरदस्त जवाबी कार्रवाई कर सकती है।

अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी की कार्रवाइयां संकट को और बढ़ा देंगी। इन देशों का यह फैसला यूक्रेन को रक्षात्मक हथियार मुहैया कराने से कहीं आगे निकल गया है।

# चीन का बहिष्कार कर कड़ा संदेश देने की ज़रूरत : केजरीवाल

■ दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि, चीन लगातार हमें आँखें दिखा रहा है लेकिन हम उसके खिलाफ कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।

नयी दिल्ली, 25 जनवरी (वार्ता) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चीन का बहिष्कार करने का आ ान करते हुए कहा कि वह हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है और हम उससे व्यापार बढ़ाते ही जा रहे हैं।

केजरीवाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को यहाँ छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने 74वें गणतंत्र दिवस की दिल्ली और देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हम एक तरफ 74वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और दूसरी तरफ आजादी के 75 साल का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, राजगुरु जैसे ढेरों नाम हैं जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजादी दिलाई थी। स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के बाद की पीढ़ियों के उपर इस आजादी और जनतंत्र को मजबूत व संभाल कर कायम रखने की जिम्मेदारी दी है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से चीन हमारी सीमाओं पर हमें आंखें दिखा रहा है। आज ही देश के एक अखबार में छपा है कि चीन ने हमारे देश की कुछ जमीन पर कब्जा कर लिया है। यह सभी भारतवासियों के लिए चिंता का विषय है। हमारे सैनिक चीन के सैनिकों से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। पूरी बहादुरी के साथ हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं। एक तरफ, हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं तो दूसरी तरफ देश की सारी सरकारों और हर भारतवासी का भी फर्ज बनता है कि हम उनकी इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। हमारा भी फर्ज बनता है कि चीन को कड़ा संदेश दिया जाए कि भारतीय यह बर्दाश्त नहीं करेगा। हम चीन का बहिष्कार करें और उसको सख्त संदेश दें। 2020 में हम लोगों ने चीन से 65 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा और 2021 में 95 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा। हमने 50 फीसद व्यापार बढ़ा दिया। हम तो चीन को और अमीर बनाते जा रहे हैं। उनसे और सामान खरीदते जा रहे हैं, उनको और पैसा दे रहे हैं। चीन हमारे ही पैसे से और अधिक हथियार खरीद रहा है, सैनिकों को भर्ती कर रहा है और हमारे उपर आक्रमण कर रहा है। यह तो सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ पिछले पांच-छह सालों में 12 लाख व्यापारी व उद्योगपति अपना देश छोड़कर विदेश चले गए। वह अपनी व्यवस्था और एजेंसी से परेशान होकर के भारत छोड़कर विदेश चले गए। हमने अपने व्यापारियों व उद्योगपतियों को इतना दुखी कर रखा है कि वह बहुत तंग आ चुके हैं, उनका अपने देश में धंधा मुश्किल हो गया है और भारत छोड-छोड़कर जा रहे हैं। पिछले 5 साल के अंदर 12 लाख लोग भारत छोड़कर चले गए। हम अपने लोगों को भगा रहे हैं और चीन से सारा सामान आयात कर रहे हैं, ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा? उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को स्वतंत्र कराया और जनतंत्र की स्थापना की।पिछले कुछ वर्षो से हम देख रहे हैं कि जनतंत्र के ऊपर भी थोड़ी-थोड़ी आंच आने लगी है।जनता और जनता द्वारा चुनी हुई सरकारों के ऊपर कोई नहीं है। लेकिन पिछले कुछ सालों में हम देख रहे हैं कि एक राज्य ऐसा है, जहां जनता की चुनी हुई सरकार ने ढेरों कानून पास किए, लेकिन वहां का गवर्नर कानून पर दस्तखत करने को तैयार नहीं है। जो कानून जनता ने पास किए, जो कानून जनता की चुनी हुई सरकार ने पास किए, क्या एक आदमी उन कानूनों को रोक सकता है। क्या एक आदमी को अधिकार होना चाहिए कि वो जनता की अभिलाषा, कामनाओं और कामों को रोक दे। यह तो जनतंत्र नहीं है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में सबसे कम महंगाई दिल्ली के अंदर है। दिल्ली में महंगाई की दर 3 फीसदी है, जबकि गुजरात में 7 फीसदी, हरियाणा में 7.8 फीसदी है, जो दिल्ली से ढाई गुना ज्यादा है। मध्यप्रदेश में महंगाई की दर 7.5 फीसदी है।

पूरे देश में सबसे सस्ती चीजें और सबसे कम महंगाई दिल्ली में है, क्योंकि आज यहाँ बिजली, पानी मुफ्त है। दिल्ली में शानदार सरकारी स्कूल है और सरकारी स्कूलों में सारी शिक्षा मुफ्त है। दिल्ली में सारी स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त है। सरकारी अस्पताल में सारा इलाज, टेस्ट, दवाइयां और ऑपरेशन सब कुछ मुफ्त है। महिलाओं के लिए बसों का सफर मुक्त है। बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा मुफ्त है। राशन मुफ्त है।

## 'कर्मचारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारियों की समस्त लम्बित याचिकाओं का निस्तारण कर दिया।

बैंच ने शिक्षक को अनुमति दी कि वे सम्बंधित अथॉरिटी से पढ़ाने व अन्य कार्यों की जिम्मेवारी निभाने की अनुमति ले। कोर्ट ने कहा कि इस सम्बंध में 30 दिन में फैसला हो जाना चाहिए। पूर्व में जैकब पुलियेल बनाम भारत सरकार एवं अन्य केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि व्यक्ति को अधिकार है कि वह अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में कोई भी इलाज लेने से इन्कार कर दे।

उसने 2021 में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और अब वह वैक्सीन लगवा चुका है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908